



खबरें

subhasaverenews@gmail.com
facebook.com/subhasaverenews
www.subhasavere.news
twitter.com/subhasaverenews

शहर की सुबह

- सर्ग से निकाल दिया
- गया है फरिश्तों को
- धरती से खदेड़ दी गई है औरतें
- बम विस्फोट में बचे बच्चों
- अब बेघर शरणार्थी हैं
- सारे पैड़ कागजों में
- तब्दील हो चुके हैं
- हिरण की खाई में जैकेट
- बन टंगी है गॉल में
- नदियां अपने उद्गम स्थल पर
- वापस लौट चुकी हैं
- सारी ऑक्सीजन सिर्फ आग
- लगाने के काम आ रही है
- गूगो विटविद्यालयों में
- सिखाया जा रहा है संगीत
- सबसे बड़े क्यूजियम में शीशे के
- जार में बंद है प्रेम के अवशेष
- दुनिया अब पूरी तरह सुरक्षित है।
- श्रुति कुशवाहा

प्रसंगवश

छोटी आकाशगंगाओं में भी छिपे हो सकते हैं ब्लैक होल

ललित मर्ष

ब्रह्मांड की सबसे छोटी आकाशगंगाओं में भी बड़े रहस्य छिपे हो सकते हैं। भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक नए अध्ययन ने यह संभावना जताई है कि हमारी मिल्की वे (आकाशगंगा) के आसपास घूमने वाली बेहद छोटी, धुंधली और गोलाकार आकाशगंगाओं (ड्वार्फ स्पेरोइडल गैलेक्सीज) में भी ब्लैक होल मौजूद हो सकते हैं। यह खोज कॉस्मिक टाइम में ब्लैक होल के जन्म और आकाशगंगाओं के विकास को समझने में अहम कड़ी साबित हो सकती है।

आमतौर पर विशाल आकाशगंगाओं के केंद्र में सुपरमैसिव ब्लैक होल नियमित रूप से पाए जाते हैं, लेकिन छोटी आकाशगंगाएं बहुत मंद, गैस-विहीन और डार्क मैटर से भरी होती हैं। इसी कारण इनमें ब्लैक होल का पता लगाना बेहद कठिन रहता है।

छोटी आकाशगंगाओं में बड़ा रहस्य: यह सवाल सिर्फ खोज तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे यह समझने में मदद मिलती है कि ब्रह्मांड के शुरुआती दौर में पहले ब्लैक होल कैसे बने, वे छोटे कम द्रव्यमान वाले वातावरण में कैसे बड़े, और क्या आकाशगंगाओं के केंद्र में ब्लैक होल के द्रव्यमान और तारों की गति के बीच संबंध (वेलोसिटी डिस्पर्सन) जो बड़ी आकाशगंगाओं में देखा जाता है, क्या वह सबसे छोटी आकाशगंगाओं में भी लागू होता है या नहीं। गौरतलब है कि 'वेलोसिटी डिस्पर्सन' आकाशगंगाओं की संरचना और विकास को समझने में एक अहम संकेतक है।

इसका जवाब इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इससे हमें पूरे ब्रह्मांड में समय के साथ ब्लैक होल कैसे विकसित हुए, इसकी एक साफ और बेहतर समझ मिल

सकेगी। भारत के इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स के वैज्ञानिकों, के आदित्य और अरुण मंगलम ने इस दिशा में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। उन्होंने मिल्की वे के आसपास घूमने वाली छोटी गोलाकार आकाशगंगाओं के सटीक मॉडल तैयार किए। इन मॉडलों में तारे, डार्क मैटर का घेरा और संभावित सेंट्रल ब्लैक होल तीनों प्रमुख घटक शामिल हैं।

तारों की गति से मिला सुराग: उन्होंने तारों की गति से जुड़े उच्च गुणवत्ता वाले आंकड़ों का उपयोग कर यह समझा कि इन आकाशगंगाओं में तारे कैसे चलते हैं, और इसी आधार पर यह अनुमान लगाया कि अगर कोई ब्लैक होल मौजूद है, तो उसका द्रव्यमान कितना हो सकता है।

इस अध्ययन के नतीजे प्रतिष्ठित एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में प्रकाशित हुए हैं।

इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने स्टेरल एनीसोट्रोपी तकनीक का उपयोग किया, यानी तारों की गति हर दिशा में एक जैसी नहीं होती, कुछ केंद्र की ओर (रेडियल) और कुछ गोलाकार (टैन्जेंशियल) होती है। इससे आकाशगंगाओं में तारों की वास्तविक गति को बेहतर तरीके से समझना संभव हुआ।

इस तरीके से उन्होंने एक साथ तारों, डार्क मैटर और संभावित ब्लैक होल के प्रभाव का आकलन किया। वैज्ञानिकों ने इसकी मदद से कई छोटी गोलाकार आकाशगंगाओं का विश्लेषण कर ब्लैक होल के द्रव्यमान की मजबूत सीमाएं तय कीं।

सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने अपने नतीजों को पहले के शोधों से जोड़कर ब्लैक होल के द्रव्यमान और तारों की गति के बीच एक एकीकृत संबंध तैयार किया। यह संबंध करीब 10 से 300 किलोमीटर प्रति

सेकंड तक की गति को कवर करता है और ब्लैक होल के द्रव्यमान की बहुत बड़ी रेंज को समझने में मदद करता है।

शोध के मुताबिक, इन छोटी आकाशगंगाओं में ब्लैक होल का द्रव्यमान आमतौर पर 10 लाख सूर्य द्रव्यमान से कम होता है, जबकि कई मामलों में यह इससे भी काफी कम हो सकता है। यानी यहां विशाल ब्लैक होल का होना जरूरी नहीं, बल्कि ये मध्यम द्रव्यमान (इंटर्मीडिएट) के ब्लैक होल की मौजूदगी से अधिक मेल खाते हैं।

छोटी-बड़ी आकाशगंगाओं को जोड़ता नियम: सबसे अहम बात यह है कि इस अध्ययन ने ब्लैक होल के द्रव्यमान और तारों की गति के बीच एक एकीकृत संबंध का सुझाव देता है, जो छोटी से बड़ी सभी आकाशगंगाओं पर लागू होता है। यह संबंध ब्रह्मांड में ब्लैक होल के विकास को समझने के लिए अब तक का सबसे व्यापक आधार बन सकता है। हालांकि छोटी आकाशगंगाओं के मामले में थोड़ी अनिश्चितता बनी रहती है। कुल मिलाकर, यह शोध इस संबंध को समझने के लिए अब तक का सबसे व्यापक और भरोसेमंद आधार देता है। अध्ययन से जुड़े शोधकर्ता अरुण मंगलम ने प्रेस विज्ञापन में बताया कि, 'उन्होंने अपने नतीजों की तुलना ब्लैक होल के बढ़ने के अलग-अलग वैज्ञानिक मॉडलों से भी की है।

क्या बताते हैं वैज्ञानिक मॉडल?: उन्होंने पाया कि गैस के जरिए बढ़ने वाले मॉडल छोटी आकाशगंगाओं में करीब 1,000 सूर्य द्रव्यमान तक के ब्लैक होल का अनुमान देते हैं, जबकि तारों को पकड़ने (स्टेरल कैचर) की प्रक्रिया से यह 10,000 सूर्य द्रव्यमान या उससे ज्यादा तक बढ़ सकता है, यहां तक

कि जब गैस मिलना बंद हो जाए तब भी। अच्छी बात यह है कि ये दोनों अनुमान उन सीमाओं के अंदर ही आते हैं, जो अवलोकन से सामने आई हैं।

इसके अलावा, वैज्ञानिकों ने एक और संभावना भी देखी कि ये छोटी गोलाकार आकाशगंगाएं पहले बड़ी रही हों और मिल्की वे के साथ टकराव या खिंचाव (टाइडल स्ट्रिपिंग) के कारण अपने कई तारे खो चुकी हों। यह भी इस रहस्य को समझने का एक दूसरा तरीका हो सकता है।

शोधकर्ताओं के मुताबिक यह अध्ययन सिद्धांत और भविष्य के अवलोकनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। छोटी से छोटी आकाशगंगाओं तक एक समान संबंध स्थापित कर यह आकाशगंगाओं और ब्लैक होल के विकास को समझने के लिए एक मजबूत आधार देता है। उन्हें उम्मीद है कि आने वाले अत्याधुनिक टेलीस्कोप जैसे प्रस्तावित नेशनल लाजर् ऑप्टिकल टेलीस्कोप और अत्यंत विशाल टेलीस्कोप (ईएल्टो), इन छोटी और धुंधली आकाशगंगाओं में तारों की गति का पहले से कहीं अधिक सटीक अवलोकन कर सकेंगे। इन नई सुविधाओं के जरिए वैज्ञानिक यह स्पष्ट कर पाएंगे कि क्या वास्तव में छोटी आकाशगंगाओं में प्रारंभिक ब्लैक होल के संकेत मौजूद हैं। साथ ही, अध्ययन में बताए गए अलग-अलग मॉडल जैसे गैस से ब्लैक होल का बढ़ना, तारों को पकड़कर बढ़ना या आकाशगंगाओं का टूटना, ऐसी भविष्यवाणियां करते हैं जिन्हें आने वाले समय में नई दूरबीनों से सीधे जांचा जा सकेगा। अगर ऐसा साबित होता है, तो यह खोज ब्रह्मांड के जन्म और विकास की हमारी समझ को एक नई दिशा दे सकती है।

('डाउन टू अर्थ' हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

जम्मू में भीषण हादसा, 21 की मौत

तीखा मोड़ और स्टियरिंग बेकाबू होते ही 100 फिट गहरी खाई में गिरी बस

श्रीनगर (एजेंसी)। सोमवार की सुबह जम्मू-कश्मीर में तब चीख-पुकार मच गई, जब एक यात्री बस 100 फिट गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हो गए। ये हादसा तब हुआ, जब एक यात्री बस रामनगर से उधमपुर जा रही थी, तभी अचानक बस का संतुलन बिगड़ गया और बस सीधे खाई में जा गिरी। इस हादसे के बाद वहीं चीख-पुकार मच गई। जहां ये दुर्घटना हुई है, वह कनोट गांव है, जो उधमपुर जिले के तहत आता है। हालांकि, हादसे के बाद स्थानीय पुलिस, स्थानीय लोग और सेना के जवानों ने तुरंत बाद बचाव अभियान शुरू कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों को ले जा रही बस जिले की रामनगर तहसील के कनोट मोड़ के पास यात्री सवार थे जिनमें अधिकांश अपने कामकाज के लिए रामनगर से उधमपुर जा रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि पहाड़ी सड़क पर मोड़ आया और बस गिर गई।



राष्ट्रपति, उप राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने भी जताया शोक

पीएम ने सोशल मीडिया एक्स पर भी लिखा, जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में एक बस दुर्घटना के कारण लोगों की मौत के बारे में सुनकर दुख हुआ। मैं उन लोगों के प्रति हार्दिक संवेदन व्यक्त करता हूँ जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ। दुखद दुर्घटना में अपनी जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के निकटतम परिजन को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। इनके अलावा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी इस घटना पर शोक और दुख जताया है।

केंद्रीय मंत्री ने स्थिति पर नजर रखी

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि घटना के तुरंत बाद उन्होंने उधमपुर के डिप्टी कमिश्नर मिंगा शेरपा से बात की और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में बताया, अभी-अभी उधमपुर के डीसी मिंगा शेरपा से बात की, क्योंकि मुझे एक घंटे से भी कम समय पहले कानोट गांव में रामनगर से उधमपुर जा रही एक सार्वजनिक परिवहन बस के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिली। उन्होंने कहा, बचाव अभियान तुरंत शुरू कर दिया गया है। कई लोगों के हाताहत होने की आशंका है। पीड़ितों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। घायलों के लिए चिकित्सा सहायता के लिए अस्पताल ले जाया जाएगा। गंभीर रूप से घायलों को एयरलिफ्ट करने की व्यवस्था की जा रही है।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन के शांताम आश्रम में भगवान श्री हनुमान जी का पूजन कर प्रदेशवासियों और मातृ शक्ति की सुख समृद्धि की कामना की।

फिरोजिया ट्रॉफी विजेताओं के लिये अतिरिक्त पुरस्कार की घोषणा की प्रदेश में खेल सुविधाओं का हो रहा निरंतर विस्तार: मुख्यमंत्री



भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में खेल सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। शासन का प्रयास है कि खिलाड़ियों को हर स्तर पर आधुनिक खेल संरचना, प्रशिक्षण और अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध हों। शासन के इन प्रयासों से मध्यप्रदेश की खेल प्रतिभाएं विश्व स्तर पर उज्ज्वल प्रदर्शन कर रही हैं। उज्जैन में भी विभिन्न खेल मैदानों में खेल व्यवस्थाओं का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। उज्जैन के क्षीर सागर मैदान को भी नगर निगम और खेल विभाग द्वारा विकसित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को देर रात उज्जैन में फिरोजिया ट्रॉफी का फाइनल मैच देखा और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने इस अवसर पर फिरोजिया ट्रॉफी की विजेता टीम को रूपए 1 लाख और उप विजेता टीम को 51 हजार रूपए के अतिरिक्त नगद पुरस्कार की घोषणा भी की।

फिरोजिया ट्रॉफी का आयोजन 12 अप्रैल से 19 अप्रैल तक उज्जैन के क्षीर सागर मैदान पर किया गया। फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के बीच रोमांचक संघर्ष देखने को मिला, जिससे दर्शक अंत तक मैच का आनंद लेते रहे। सांसद अनिल फिरोजिया ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का फिरोजिया ट्रॉफी में प्रत्येक वर्ष पधारने और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने पर आभार व्यक्त किया।

फिरोजिया ट्रॉफी सांसद अनिल फिरोजिया के पिता स्व. भूराला फिरोजिया की स्मृति में विगत 21 वर्षों से हर वर्ष आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार रूपए 5 लाख 51 हजार रुपये है। प्रतियोगिता में इस वर्ष नारी शक्ति वंदन की भावना को साकार करते हुए महिला क्रिकेट मैच और मातृशक्ति सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में विधायक श्री अनिल जैन कालूहड़ा, रवि सोलंकी और बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

पश्चिम बंगाल में न गाय कटेगी, न हिंदू बंटेगा

योगी बोले-ममता दीदी का इस बार खेला बंद

मेदिनीपुर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सीएम योगी ने कहा- टीएमसी वालों को जय श्रीराम नारे से चिढ़ है, दुर्गा पूजा नहीं करने देते, सरकार जुलूस पर प्रतिबंध लगाती है। ममता दीदी कहती हैं- खेला होबे। मैं कहता हूँ- ए बार खेला बंद, उजयन शुरू। बंगाल में गाय कटने नहीं देंगे, हिंदू को बंटने नहीं देंगे। योगी ने बाल्ता में कहा-आमार सोनार बांग्ला, टीएमसी मुक्तो बांग्ला। ओंधोरकार होटवे, सूरज उठबो, कोमल खिलबे। बलटानो दोरकार, चाही बीजेपी सोरकार। (यानी मेरा प्यारा स्वर्णिम बंगाल, टीएमसी मुक्त बंगाल। अंधकार हटेगा, सूरज उगा, कमल खिलेगा। बदलाव जरूरी है...बीजेपी की सरकार चाहिए।)



मुख्यमंत्री ने सोमवार को पश्चिम मेदिनीपुर जिले की पिंगला विधानसभा क्षेत्र में रैली की। भाजपा प्रत्याशियों को जिताने की अपील करते हुए सीएम योगी ने ममता सरकार पर जमकर निशाना साधा। रैली में समर्थक बुलडोजर लेकर पहुंचे थे।

टीएमसी गोहत्या नहीं रोक सकती, इस बार खेला बंद

सीएम योगी ने कहा- टीएमसी गृहीकरण के नाते गोहत्या रोक नहीं सकती। माफिया पर लगाम नहीं लगा सकती। ये सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है। बांग्लादेश बॉर्डर पर फेंसिंग को रोक रही है। 15 सालों में बंगाल में गुंडागर्दी हो रही है। 2017 के पहले यूपी में भी ऐसा ही था लेकिन वहां डबल इंजन सरकार आने के बाद नो कर्फ्यू नो दंगा, यूपी में है सग चंगा। अब वहां हाईवे, मेट्रो, रैपिड रेल बन रहे हैं। माफिया की पसली तोड़ने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल होता है। पहले रामभक्तों पर लाठी चालती थी, अब राम भक्तों का सल्कार होता है। सीएम ने कहा- ममता दीदी कहती हैं- खेला होबे। मैं कहता हूँ- ए बार खेला बंद, उजयन शुरू। बंगाल में गाय कटने नहीं देंगे, हिंदू को बंटने नहीं देंगे।

दुनिया के एक तिहाई तेल सप्लाई को तबाह कर देंगे 1947 के विभाजन के लिए सिर्फ कांग्रेस जिम्मेदार

ट्रंप के धमकी का ईरानी सेना ने दिया जवाब, वार्ता से किया इंकार

तेहरान (एजेंसी)। ईरान को तबाह करने की डोनाल्ड ट्रंप की धमकी पर आईआरजीसी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा है कि अगर अमेरिका की ओर से देश के बुनियादी ढांचे पर हमला हुआ तो वह कोई भी बड़े से बड़ा कदम उठाने से नहीं चूकेगा। ऐसे हमले किए जाएंगे, जो दुनिया की एक तिहाई तेल आपूर्ति को खत्म देंगे और वैश्विक स्तर पर हाहाकार मच जाएगा। आईआरजीसी ने डोनाल्ड ट्रंप से कहा है कि उनको ईरान के खिलाफ धमकीभरी भाषा का इस्तेमाल बंद करना होगा।

ईरान ने फिलहाल अमेरिका के साथ वार्ता नहीं करने की बात भी कही है। आईआरजीसी की तकनीक प्लूज एजेंसी ने कहा है कि अमेरिका अगर ईरान के पावर प्लान्ट को निशाना बनाता है तो फिर उनको एक ऐसे सरप्राइज का सामना करना होगा, जिससे



पार पाना उनके लिए आसान नहीं होगा। ट्रंप के रवैया का जवाब हम उसी तरीके से देंगे। यह खाड़ी देशों की तेल फैसिलिटी और पाइपलाइनों पर हमला होगा।

अमेरिका के सहयोगी सहेंगे हमले

आईआरजीसी सूत्रों से हवाले से तस्लीम ने बताया है कि उनकी ओर से सऊदी अरब की अरामको और यानबू ऑयल फैसिलिटी और यूएई की फुजैरा पाइपलाइन को निशाना बनाया जाएगा। ईरान ऐसा करते हुए दुनिया की एक तिहाई तेल सप्लाई को ध्वस्त करने में नहीं हिचकियाएगा। इससे अमेरिका के साथ उसके सहयोगियों को भी खामियाजा उठाना होगा। आईआरजीसी ने अमेरिका की नौसेनिक नाकेबंदी का कड़ा विरोध किया है। आईआरजीसी ने कहा है कि जब तब अमेरिकी नेवी का घेरा ईरानी बंदरगाहों पर रहेगा, तब तक समझौते की बातचीत आगे नहीं बढ़ सकती है। ईरानी अधिकारियों ने नाकेबंदी को पिछली आपसी सहमतियों का सीधा और स्पष्ट उल्लंघन माना है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा है कि बातचीत विफल होती है तो ईरान के साथ कोई नरमी नहीं बरती जाएगी और उनके बुनियादी ढांचे पर हमले करते हुए सब कुछ तबाह कर दिया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि मैं प्रतिनिधि पाकिस्तान जा रहे हैं। हम एक अच्छी डील का प्रस्ताव दे रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि ईरानी इसे स्वीकार करेंगे। ऐसा नहीं हुआ तो ईरान को सभी पावर प्लांट और पुल तबाह कर दिए जाएंगे। अमेरिका और ईरान की दूसरे दौर की वार्ता पाकिस्तान में होनी है।

ओवैसी बोले-हम बंगाल में भाजपा की बी टीम नहीं

लिंबायत (एजेंसी)। एआईएमआई चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को कहा कि 1947 के विभाजन के लिए मुसलमान नहीं, बल्कि कांग्रेस जिम्मेदारों में शामिल थी। ओवैसी गुजरात के लिंबायत में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मौलाना अबुल कलाम आजाद की पुस्तक इंडिया विन्स फ्रीडम का हवाला देते हुए कहा कि आजाद ने गांधी और नेहरू से भारत के विभाजन को रोकने की अपील की थी। उन्होंने पश्चिम बंगाल में अपनी पार्टी को भाजपा की बी टीम कहें जाने पर कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधा और 11 सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर हो रही आलोचना का विरोध किया।





संक्षिप्त समाचार

ईरान युद्ध के बीच भारतीय सेना का दिखा बड़ा प्लान

● तेल और गैस की कमी दूर करने के मिशन में जुटी अपनी सेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान युद्ध के चलते तेल और गैस संकट के बीच भारतीय सेना ने आगे का पूरा प्लान तैयार कर लिया है। भारतीय सेना एलपीजी और फ्यूल में काफी कटौती करके वैकल्पिक रास्ता अपना रही है। आगे महीने से यह एक मिशन के स्तर पर शुरू हो जाएगा। सेना बायोगैस और सोलर जैसे वैकल्पिक ऊर्जा के साधनों का उपयोग कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक



सेना ने बायोगैस स्टोक्स खरीदने का ऑर्डर जारी कर दिया है। इसके अलावा सेना के जवानों का मूवमेंट 400 किलोमीटर के अंदर ही सीमित किया जाएगा जिससे फ्यूल बचाया जा सके। अधिकारी ने बताया बिना किसी ऑपरेशनल क्षमता को कम किए सेना के वाहनों का आवागमन सीमित किया जा रहा है। वाहनों की पूर्णता, एक साथ कई काम निपटाने की योजना भी तैयार की गई है। जिससे कि फ्यूल के खर्च को कम किया जा सके। अधिकारियों ने बताया कि इलेक्ट्रिक गाड़ियों और सीएनजी का इस्तेमाल बढ़ाया जाएगा। कुछ चीजें लागू हो गई हैं और वहीं फ्यूल बचाने के लिए कुछ नियम अगले एक दो हफ्ते में लागू हो जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि सेना से संबंधित उद्योगों को भी सीमित किया जाएगा। जिससे सेना की क्षमता को प्रभावित किए बिना फ्यूल बचाया जा सके।

डंकी वाले रूट से 6 महीने में अमेरिका पहुंचा, जलकर मौत

● हरियाणावी युवक की 6 महीने में शादी थी, वीडियो कॉल से रागुन डाला, ट्रक में फंसकर मरा



कैथल (एजेंसी)। हरियाणा के कैथल जिले के एक छोटे से गांव बाकल में जन्में 26 साल के सिमरनजीत सिंह की अमेरिका में सड़क हादसे में मौत हो गई। सिमरनजीत बेहतर भविष्य की तलाश में हजारों किलोमीटर दूर परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने का सपना लेकर आया था। वो खतरनाक 'डंकी रूट' के जरिए 6 महीने के अंदर विदेश पहुंचा था। कई देशों की कठिन यात्रा, जेल तक का सामना और संघर्ष भरी जिंदगी के बाद उसने ट्रक ड्राइवर के रूप में काम शुरू किया, लेकिन सड़क हादसे ने उसके सपनों के साथ-साथ परिवार की उम्मीदों को भी खत्म कर दिया। परिवार को जब उसके मरने की खबर मिली तो सभी का रो-रो कर बुरा हाल था। परिवार सिमरनजीत की 6 महीने में शादी करने की तैयारी में था, लेकिन कैलिफोर्निया में ट्रक की टक्कर के चलते उसकी जलकर मौत हो गई। टक्कर होते ही चिंगारी निकली और ट्रक में आग लग गई। मौत के बाद सिमरनजीत की केवल जली हुई हड्डियां मिलीं। डंकी रूट से 6 महीने में अमेरिका पहुंचा: सिमरनजीत सिंह की मौत के बाद परिवार से बातचीत के दौरान कई बातें सामने आईं। उसके चचेरे भाई इंद्रपाल सिंह ने बताया कि सिमरनजीत सिंह को डंकी रूट से अमेरिका जाने में करीब 6 महीने का समय लगा था।

पीएम के दौरे से पहले पंचपदरा रिफाइनरी में लगी आग

लोकार्पण से पहले धू-धू कर जली, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

बालोतरा/ पंचपदरा (एजेंसी)। राजस्थान के बालोतरा जिले से सबसे बड़ी और चौकाने वाली खबर सामने आ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से कल यानी 21 अप्रैल को पंचपदरा रिफाइनरी के जिस ऐतिहासिक लोकार्पण समारोह को लेकर पूरे देश की नजरें टिकी हैं, उससे ठीक 24 घंटे पहले रिफाइनरी परिसर में भीषण आग लग गई। इस अचानक हुई घटना ने न केवल करोड़ों के प्रोजेक्ट को नुकसान पहुंचाया है, बल्कि वीवीआईपी सुरक्षा और तकनीकी मानकों पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सुरक्षा एजेंसियां ऐक्टिव हो गई हैं।



आसमान में छाया काला धुआं, अफरा-तफरी का माहौल सोमवार दोपहर जब रिफाइनरी परिसर लोकार्पण की अंतिम तैयारियों में जुटा था, तभी एक विशिष्ट यूनिट से आग की ऊंची लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते धुएँ का गुबार इतना घना हो गया कि इसे कई किलोमीटर दूर से देखा जाने लगा। जिस परिसर को प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर एसपीजी और राजस्थान पुलिस ने नो फ्लायिंज जोन और अभेद्य किले में तब्दील कर रखा था, वहां अचानक मची इस अफरा-तफरी ने प्रशासन के हाथ-पांव फुला दिए।

फायर फाइटिंग ऑपरेशन और तकनीकी डैमेज

आग की सूचना मिलते ही रिफाइनरी का अत्याधुनिक इन-हाउस फायर सेफ्टी सिस्टम सक्रिय हो गया। मौके पर मौजूद दर्जनों दमकल गाड़ियां और हाइड्रेंट सिस्टम के जरिए आग बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। एचपीसीएल के तकनीकी विशेषज्ञों की टीम डैमेज कंट्रोल में जुटी है। हालांकि, अभी तक किसी जनहानि की खबर नहीं है, लेकिन माना जा रहा है कि रिफाइनरी की संवेदनशील मशीनरी को भारी नुकसान पहुंचा है। प्रधानमंत्री के दौरे से ठीक पहले हुई इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर कई सवालिया निशान लगा दिए हैं। फिलहाल जिला प्रशासन और रिफाइनरी के उच्चाधिकारी मौके पर मौजूद हैं। एसपीजी की टीम भी घटना स्थल का मुआयना कर रही है ताकि कल के दौरे की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

झारखंड में गोड्डा-महगामा रेल प्रोजेक्ट को मिली रफ्तार

● पटरी बिछाने का काम हो गया शुरू 468 करोड़ होंगे खर्च

गोड्डा (एजेंसी)। गोड्डा-महगामा-पिरपैती रेल परियोजना ने रफ्तार पकड़ ली है। परियोजना के पहले चरण में गोड्डा से महगामा के बीच 27.5 किमी लंबी पटरी बिछाने का काम शुरू हो गया है। गोड्डा प्रखंड के दियारा, नेपूरा, पंचकाटी मौजा आदि क्षेत्र में पटरी बिछाई जा रही है। साथ ही अधिग्रहित जमीन के चारों ओर बाउंड्री का भी निर्माण किया जा रहा है। ऐसे में गोड्डा के बाद पथरगामा व महगामा भी रेल के मानचित्र में दिखेंगे। इस परियोजना से क्षेत्र के समाजिक व आर्थिक रफ्तार को भी गति मिलेगी। दूसरे फेज में महगामा से पिरपैती तक रेल पटरी बिछाने का काम होगा।



चिप्स से शिप्स तक रहेगा भारत-दक्षिण कोरिया का साथ

● मजबूत और बेहतर इकोसिस्टम बनाने पर काम कर रहे दोनों देश ● पीएम मोदी और साउथ कोरिया के राष्ट्रपति के बीच हुई बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की। बैठक के बाद दोनों देशों के नेताओं ने अपना संबोधन दिया। दोनों देशों के बीच एमओयू एक्सचेंज हुए। इसके साथ ही दोनों देशों ने व्यापार, संस्कृति और तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और दक्षिण कोरिया तकनीक, ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में 'चिप्स से शिप्स' तक मजबूत इकोसिस्टम बनाने पर काम कर रहे हैं। इसके तहत दोनों देशों ने महत्वपूर्ण तकनीकों और स्पेसिफिक सेक्टरों में 'इकोनॉमिक सिक्वोरिटी डायलॉग' को संस्थागत रूप देने पर भी सहमति जताई।



एक साल में अपग्रेड होगा ट्रेड समझौता

पीएम मोदी ने कहा, अगले एक वर्ष के अंदर हम भारत-कोरिया ट्रेड समझौते को अपग्रेड भी करेंगे। एआई, सेमीकंडक्टर और आईटी में साझेदारी और गहरा करने के लिए हम इंडिया-कोरिया डिजिटल ब्रिज लॉन्च कर रहे हैं। शिप बिल्डिंग, सस्टेनिबिलिटी, स्टील जैसे क्षेत्रों में एमओयू कर रहे हैं। कल्चर और क्रिएटिविटी के क्षेत्र में आपसी सहयोग से फिल्म, एनीमेशन और गेमिंग में भी नए आयाम स्थापित करेंगे। आज का बिजनेस फोरम इन अवसरों को ठोस परिणामों में बदलने का मंच बनेगा।

द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने पर जोर

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और कोरिया का द्विपक्षीय व्यापार आज 27 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। साल 2030 तक इसे 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने के लिए हमने आज कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। दोनों देशों के बीच फाइनेंशियल फ्लो को सुगम बनाने के लिए भारत-कोरिया फाइनेंशियल फोरम की शुरुआत की गई है। पीएम मोदी ने कहा कि सहयोग को बल देने के लिए हमने एक इंस्ट्रुमेंटल कॉपरेशन कमेटी का गठन किया है। क्रिटिकल टेक्नोलॉजी और स्पेसिफिक सेक्टरों में सहयोग बढ़ाने के लिए इकोनॉमिक सिक्वोरिटी डायलॉग शुरू कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम कोरिया की कंपनी खासकर एसएमई की भारत में एंटी सहज करने के लिए कोरियन इंस्ट्रुमेंटल टाउनशिप भी स्थापित करेंगे।

इधर-उधर घूमता रहा विमान यात्रियों की अटकी रही सांसें

● 4 घंटे तक मुश्किल में रही जान, प्लाई-91 की प्लाइट में आई खराबी



बेंगलुरु (एजेंसी)। हैदराबाद से हुबली जा रही प्लाई-91 की एक प्लाइट को तकनीकी खराबी आने के बाद रास्ता बदलकर बेंगलुरु ले जाना पड़ा। इस दौरान विमान करीब चार घंटे तक आसमान में ही चक्कर लगाता रहा। इससे यात्रियों में डर और घबराहट का माहौल बन गया। इस पूरी घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में कई यात्री घबराए हुए नजर आ रहे हैं। कुछ यात्री प्रार्थना करते हुए दिखाई दे रहे हैं तो कुछ भी रहे हैं। इस दौरान प्लाइट उतरने से पहले अलग-अलग इलाकों के ऊपर चक्कर लगाती रही। जानकारी के अनुसार, प्लाइट रविवार दोपहर लगभग 3 बजे राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से खाना हुई थी। इस प्लाइट को शाम साढ़े चार बजे हुबली पहुंचना था।

प्यार के लिए घर से भागी रुखसार, महादेवगढ़ मंदिर आकर बनी राधिका और प्रेमी अजय से रचाई शादी

खंडवा (नप्र)। मध्य प्रदेश के खंडवा स्थित महादेवगढ़ मंदिर एक बार फिर चर्चा में है, जहां अश्वयुतीया के अवसर पर एक प्रेमी युगल ने सामाजिक बंधनों को तोड़ते हुए विवाह रचाया। राजस्थान की रहने वाली युवती रुखसार ने भोपाल के युवक अजय के साथ विधि-विधान से सात फेरे लिए। विवाह से पहले मंदिर परिसर में युवती की 'पर वापसी' करवाई गई, जिसके बाद उसका नाम बदलकर राधिका रखा गया।

विधि-विधान के साथ हुआ धार्मिक अनुष्ठान- महादेवगढ़ मंदिर में पंडितों की उपस्थिति में पूरे वैदिक रिवाजों के साथ विवाह संभल रहा। पूजा-अर्चना, हवन और मंत्रोच्चारण के बीच युवती के माथे पर तिलक लगाया गया। इस दौरान मंदिर परिसर में 'जय श्रीराम' और 'बजरंग बली' के जयकारे भी लगाए गए। मंदिर प्रबंधन ने पूरे आयोजन को धार्मिक परंपराओं के अनुसार सम्पन्न कराया।

युवक-युवती ने स्वयं संपर्क कर विवाह की इच्छा जताई थी। इसके बाद जिला प्रशासन को सूचना देकर सभी



औपचारिकताओं के साथ यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

रुखसार से बनी राधिका- विवाह से पहले युवती की घर वापसी करवाई गई, जिसके तहत उसका नाम रुखसार से बदलकर राधिका रखा गया। युवती ने बताया कि उसे शुरू से ही कामना थी। तमाम विवादों और विरोध के बीच इस जोड़े ने अपने रिश्ते को एक नई पहचान दे दी है।

किए गए कार्य को शुभ और स्थायी माना जाता है, इसलिए इसी दिन विवाह का निर्णय लिया गया।

नए जीवन की शुरुआत- मंदिर प्रबंधन ने विवाह सम्पन्न होने के बाद नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। तमाम विवादों और विरोध के बीच इस जोड़े ने अपने रिश्ते को एक नई पहचान दे दी है।

परिवार की मर्जी के खिलाफ शादी

युवती ने स्पष्ट किया कि यह विवाह उसने अपने परिवार की मर्जी के खिलाफ किया है। इस समारोह में उसके परिवार का कोई भी सदस्य शामिल नहीं हुआ। वहीं, युवक अजय भोपाल का निवासी बताया जा रहा है जो राजस्थान के एक कंपनी में कार्यरत है। वहीं, दोनों की मुलाकात हुई और धीरे-धीरे यह संबंध प्रेम में बदल गया।

सुरक्षा की मांग, परिवार से मिल रही धमकियां

विवाह के बाद युवक अजय ने दावा किया कि युवती के परिवार की ओर से उन्हें धमकियां मिल रही हैं। उसने प्रशासन से सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है, ताकि वह अपने वैवाहिक जीवन को सुरक्षित तरीके से शुरू कर सके। स्थानीय स्तर पर इस घटना को लेकर चर्चा का माहौल है, वहीं प्रशासन की भूमिका भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, खासकर सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर।

अब भारत में अपने युद्धपोत तैनात करेगा रूस टीसीएस के बाद एक और कांड से हिल गया महाराष्ट्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और रूस के बीच नया सैन्य समझौता लागू हो गया है। इसके साथ ही अब दोनों देश एक-दूसरे की जमीन पर सैनिक, युद्धपोत और सैन्य विमान तैनात कर सकेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक इस डिफेंस डील के

● 3000 सैनिकों की भी तैनाती हो गई न्यू डिफेंस डील

तहत भारत और रूस एक-दूसरे के देश में एक समय में अधिकतम 3000 सैनिक, 5 युद्धपोत और 10 सैन्य विमान तैनात कर सकते हैं। इसे दोनों देशों के संबंधों में एक नया अध्याय माना जा रहा है। रूस के आधिकारिक कानूनी पोर्टल के मुताबिक यह नया समझौता बीते 12 जनवरी से लागू हो गया है। इससे पहले रूस में इस समझौते को मंजूरी देने वाले एक कानून को दिसंबर 2025 में पारित कराया गया था। अब



यह डिफेंस डील 5 साल तक लागू रहेगी, जिसे आपसी सहमति से आगे 5 साल और बढ़ाया जा सकता है। फस्टपोस्ट ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि इस समझौते के तहत दोनों देश एक-दूसरे के सैन्य ठिकानों, जैसे एयरबेस और पोर्ट

का इस्तेमाल कर सकेंगे। जहां एक तरफ भारत को रूस के एयरबेस, यहां तक कि आर्कटिक क्षेत्र में मौजूद ठिकानों तक भी पहुंच मिलेगी, वहीं रूस को भारत के सैन्य ठिकानों का उपयोग करने की इजाजत होगी।

संयुक्त सैन्य अभ्यास, ट्रेनिंग और मानवीय मिशन शामिल

भारत और रूस के इस रक्षा समझौते में संयुक्त सैन्य अभ्यास, ट्रेनिंग और मानवीय मिशन भी शामिल हैं। साथ ही इसमें यह भी जिक्र है कि सैन्य कर्मियों और उपकरणों की तैनाती कैसे होगी और उन्हें किस तरह की लॉजिस्टिक मदद दी जाएगी। युद्धपोतों के लिए इसमें बंदरगाहों तक पहुंच, मरम्मत की सुविधा, पानी, खाना, तकनीकी संसाधन जैसी जरूरी चीजें शामिल हैं। वहीं, सैन्य विमानों के लिए एयर ट्रैफिक कंट्रोल, नेविगेशन सिस्टम और जरूरी उड़ान से जुड़ी जानकारी दी जाएगी। इस समझौते का मकसद दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को और मजबूत करना है। खासतौर पर भारत के पास जो रूसी हथियार और सैन्य उपकरण हैं, उनके रखरखाव और इस्तेमाल में यह समझौता मदद करेगा। इसके अलावा इससे लंबी अवधि तक डिप्लोमैट को समझने में भी मदद मिलेगी।

● अब नागपुर में एनजीओ अध्यक्ष रियाज फाजिल पर लगा यौनशोषण का आरोप

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नागपुर में जबरन बच्चों के लिए काम करने का दावा करने वाले एनजीओ के अध्यक्ष पर यौन शोषण के आरोप लगे हैं। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर एनजीओ के अध्यक्ष रियाज फाजिल काजी को गिरफ्तार कर लिया है। काजी के खिलाफ कई युवा महिलाओं ने कथित यौन शोषण, धार्मिक दबाव, बदनामी और साइबर स्टॉकिंग के आरोप लगाए हैं। इस मामले में शनिवार रात करीब 10 बजे मनकापुर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने इस मामले में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। इनमें महिला की गरिमा को ठेस



पहुंचाने, अश्लील हरकतें करने, धार्मिक भावनाएं आहत करने, मानहानि और साइबर अपराध से जुड़ी धाराएं शामिल हैं। एनजीओ की 23 वर्षीय एचआर इस मामले में मुख्य शिकायतकर्ता हैं। वो सितंबर 2023 से एनजीओ में एडमिनिस्ट्रेशन और एचआर हेड के रूप में कार्यरत थीं।

प्रकृति और स्थानीय जीवन के कल्याण प्रयासों में ही सेवा की सार्थकता: राज्यपाल पटेल

राज्यपाल से भारतीय वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी मिले लोकभवन में

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि भारतीय वन सेवा, महज प्रशासनिक दायित्व नहीं बल्कि मानवता, प्रकृति, वन्य जीव, सांस्कृतिक धरोहर और भावी पीढ़ियों के प्रति भी एक उत्तरदायित्व है। आप सभी सौभाग्यशाली हैं, जिन्हें जीवन भर प्रकृति की गोद में रहकर उसके संरक्षण और संवर्धन का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षु अधिकारी, वन कानूनों और जनजातीय कल्याण के प्रावधानों का गहनता से अध्ययन करें, उन्हें समझे और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप लागू करें। प्रशिक्षण की सीख को प्रकृति, वन, वन्य जीव और स्थानीय जन जीवन की बेहतरी में उपयोग करें। उनके कल्याण प्रयासों में ही आपकी सेवा की सार्थकता है। यह याद रखें कि आपका आत्मीय व्यवहार, वंचितों के प्रति समानुभूति और संवेदनशीलता ही आपकी सफलता



का अंतिम पैमाना होगा। राज्यपाल श्री पटेल सोमवार को भारतीय वन सेवा के 2024-26 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों के सौजन्य भेंट

कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को अखिल भारतीय सेवा में चयन की बधाई एवं

शुभकामनाएं दीं। लोकभवन के बैकट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी भी मौजूद थे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए सोच, संकल्प और सेवा भाव जरूरी

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्राकृतिक अस्तित्व, पर्यावरणीय चुनौतियों आदि के कारण वन एवं वन्य जीवन के संकट का समाधान अत्यंत जरूरी है। वन अधिकारी के रूप में पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन आपका प्राथमिक दायित्व है। इसके लिए आपकी सोच, संकल्प और सेवा का भाव सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों के साथ हमेशा आत्मीय, सरल और सहज व्यवहार करें। अपने अच्छे व्यवहार और सहयोग से उनका विश्वास जीते। वनों की अवैधानिक कटाई, शिकार आदि समस्याओं के समाधान में स्थानीय लोगों का सहयोग प्राप्त करें। राज्यपाल श्री पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की एक पेड़-माँ के नाम अभियान की चर्चा की। इसे स्थानीय सहभागिता से प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन की सराहनीय पहल बताया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश जैव विविधता की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध राज्य है। यहाँ की वन भूमि प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर होने के साथ हमारी गौरवशाली सभ्यता, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को भी संजोए हुए है। प्रदेश में विस्तृत और विश्व प्रसिद्ध वन, अनेक राष्ट्रीय उद्यान, अभ्यारण्य हैं। मध्यप्रदेश बाघ, चीतल, तेंदुआ, गिद्ध, थंडियाल और चीता स्टेट के रूप में प्रसिद्ध है। राज्य में गैंडा, हाथी आदि वन्य जीवों के पुनर्वास के अभूतपूर्व प्रयास भी चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि वन विभाग के वैज्ञानिक प्रबंधन प्रयासों के फलस्वरूप मध्यप्रदेश आज वन-वन्य जीव प्रबंधन में अग्रणी राज्य है।

राहुल-गांधी को बताया परजीवी

भोपाल में बीजेपी ने लगाया पोस्टर, ममता-अखिलेश, स्टालिन के साथ पोस्टर में लगाई तरवीर



भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल में प्रदेश भाजपा कार्यालय के सामने भाजपा के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी अंशुल तिवारी द्वारा लगाया गया एक होर्डिंग शहरभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस होर्डिंग में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ विपक्षी गठबंधन के अन्य प्रमुख चेहरों- ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और एमके स्टालिन की तस्वीरें लगाई गई हैं। होर्डिंग पर लिखा गया है कि नारी शक्ति बंदन अधिनियम को रोक दिया, इन परजीवियों ने मिलकर महिलाओं का हक छीन लिया। बीजेपी ने बीते 17 अप्रैल को लोकसभा में महिला आरक्षण के लिए लागू गए तीन बिल पारित न हो पाने के लिए कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को जिम्मेदार ठहराया है। बीजेपी लगातार कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर हमला बोल रही है। इसी कड़ी में बीजेपी के सह मीडिया प्रभारी ने होर्डिंग में विपक्षी दलों के नेताओं को परजीवी बताया है।

अवैध रेत खनन कर रहा

युवक नर्मदा में कूदा, मौत

जबलपुर में प्रशासन-खनिज विभाग की टीम पहुंची दबिशा देने, डर के चलते लगाई नदी में छलांग

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर के खिरौनी घाट पर अवैध खनन की दबिशा के बीच एक युवक की डूबने से मौत हो गई। कलेक्टर के निर्देश पर पुलिस, प्रशासन और खनिज विभाग की टीम सोमवार दोपहर 2 बजे कार्रवाई करने पहुंची थी। टीम जैसे ही वहां पहुंची अवैध रेत खनन कर रहे लोग भागने लगे। इस बीच एक युवक बचने के लिए नर्मदा नदी में कूद गया जिससे उसकी मौत हो गई।

डर के चलते नर्मदा में कूदा

बरेला अंतर्गत जमतरा अंतर्गत खिरौनी घाट पर गांव के कुछ लड़कों द्वारा रेत उखनन किया जा रहा था। इसी दौरान मौके पर एचडीएम एवं माइनिंग विभाग की टीम द्वारा दबिशा दी गई। चार से पांच लड़के तो भाग गए, लेकिन एक युवक मानक वर्मा (25 वर्ष) निवासी ग्राम जमतरा को पुलिस ने घेर लिया। दहशत में आकर वह नर्मदा में कूद गया था। कुछ देर बाद घाट किनारे उसका शव मिला।

ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

घटना को जानकारी जैसे ही ग्रामीणों को लगी तो बड़ी संख्या में लोग घाट पहुंचे, जहां उन्होंने आरोप लगाया कि बड़े-बड़े खनन माफियाओं को पुलिस-प्रशासन संरक्षण देती है, पर वो लोग जो बोरी से रेत निकालते हैं तो उन्हें आए दिन पकड़ने के लिए आती हैं। इसके बाद ग्रामीणों ने विरोध-प्रदर्शन किया। बरेला सहित राइली, गोरानाबाजार, खमरिया थाना पुलिस बल मौके पर पहुंचा और ग्रामीणों को शांत करवाने में जुटे। ग्रामीणों ने टीम की गाड़ियों की हवा भी निकाल दी और लाठी बरसाने का आरोप भी लगाया।

सेंट्रल जेल में पेड़ से लटका मिला कैदी, मौत या खुदकुशी?

भोपाल (नप्र)। राजधानी की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली सेंट्रल जेल के भीतर रविवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक उम्रकैद के कैदी की लाश गौशाला परिसर में पेड़ से लटकी पाई गई। इस घटना ने जेल प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मृतक की पहचान रायसेन जिले के बाड़ी निवासी गुड्डू आदिवासी (58) के रूप में हुई है।

गौशाला में मिली लाश

जानकारी के मुताबिक, गुड्डू साल 2017 से हत्या के एक मामले में दोषी करार दिए जाने के बाद जेल में बंद था। उसे जेल की गौशाला में काम पर लगाया गया था। रविवार शाम करीब 4:30 बजे, जब जेल प्रहरी रूटीन गश्त पर थे, उन्होंने गुड्डू को पेड़ से लटका देखा। जेल प्रशासन का कहना है कि उसे तुरंत नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी

जेल अधिकारी से विवाद ने बढ़ाई उलझन

मौत हो चुकी थी।

जेल प्रशासन का दावा

जेल अधीक्षक राकेशा भांगरे के अनुसार, प्राथमिक तौर पर यह आत्महत्या का मामला लग रहा है। बताया गया है कि गुड्डू पिछले कुछ समय से किसी बीमारी से जूझ रहा था। हालांकि, जेल के अंदरूनी सूत्रों से एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। चर्चा है कि हाल ही में गुड्डू का जेल के ही एक अधिकारी के साथ किसी बात को लेकर तीखा विवाद हुआ था। हालांकि, जेल प्रशासन ने अभी तक इस विवाद की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

राकेशा भांगरे, अधीक्षक, भोपाल सेंट्रल जेल

ने कहा कि कैदी बीमार था और संभवतः इसी तनाव में उसने यह कदम उठाया। हम मामले की हर पहलू से जांच कर रहे हैं और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

मजिस्ट्रेट जांच और पोस्टमार्टम

गांधीनगर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा तैयार किया और शव को हमीदिया अस्पताल भेज दिया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए सोमवार को मजिस्ट्रेट की मौजूदगी और परिजनों के सामने पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस ने अस्वाभाविक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है कि आखिर जेल की भारी सुरक्षा के बीच कैदी के पास रस्सी कहाँ से आई और क्या वह वाकई तनाव में था?

नर्मदापुरम में शादी समारोह के खाने को लेकर विवाद, एक व्यक्ति की मौत

नर्मदापुरम (नप्र)। शादी समारोह में विवाद के बाद हुई चाकूबाजी में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। इस विवाद में छह लोग घायल हुए हैं। घटना नर्मदापुरम जिले के शिवपुर थाना क्षेत्र के नाहरकाला गांव की है। आरोपियों को पकड़ने पहुंची पुलिस टीम पर भी हमला हुआ है। इसमें एक कॉन्स्टेबल को नौ जगह चाकू लगे हैं।

समारोह में हुआ विवाद

नर्मदापुरम पुलिस के मुताबिक, रविवार रात रामनारायण के भतीजे को शादी चल रही थी। तभी गांव का अमर सिंह कीर शराब के नशे में वहां पहुंचा। खाना खाने की बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। भीड़ ज्यादा होने पर लोगों ने उसे समझाकर घर भेज दिया। कुछ देर बाद अमर सिंह

डंडा और उसका बेटा लोकेश कीर चाकू लेकर वापस आया और झगड़ा करने लगा।

विवाद बढ़ने पर दूल्हे के चाचा हरिनारायण समझाने आए तो लोकेश ने उन पर चाकू से हमला किया। बीच-बचाव में दौलत कीर, रामनारायण कीर, जयनारायण कीर और महिला क्षमा कीर समेत 6 लोग आगे आए। आरोपियों ने सभी पर चाकू से वार किए। इसमें दौलत कीर की ज्वाल चोट लगने से मौत हो गई। रामनारायण और जयनारायण को गंभीर चोट आई। सभी घायलों का नर्मदापुरम के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस टीम पर भी हमला

सूचना मिलने पर रात 1 बजे थाना प्रभारी केएन रेजक, हेड कॉन्स्टेबल सुनील, कॉन्स्टेबल

ओम जाट और दीपक आरोपियों को पकड़ने पहुंचे। पुलिस को देख आरोपी भागने लगे। जिसे पकड़ने के लिए आरक्षक ओम प्रकाश जाट और पुलिसकर्मी दौड़े। ओम जाट ने तेजी से दौड़कर आरोपी अमर सिंह को पकड़ लिया। इसके बाद आरोपी ने उस पर भी चाकू से हमला कर दिया। उसने हाथ, पैर और पेट में चाकू मारे। हमला कर आरोपी मौके से भाग गया। अधिभेक राजन, एएसपी ने कहा कि आरोपियों को पकड़ने जब टीम दौड़ी तो उन्होंने पुलिस पर भी हमला किया। जिसमें आरक्षक को पेट, पैर और हाथ में चोट आई है। उसकी हालत ठीक है। आरोपियों के खिलाफ हत्या और हत्या के प्रयास के दो केस दर्ज किए गए हैं। उन्हें पकड़ने के लिए टीम गठित कर दी गई है।

मुख्यमंत्री ने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष बृजमोहन मिश्रा की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

विधानसभा के सेंट्रल हॉल में हुआ कार्यक्रम



भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष स्व. श्री बृजमोहन मिश्रा की जयंती पर विधानसभा के सेंट्रल हॉल पहुंचकर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। पूर्व मंत्री तथा स्व. बृजमोहन मिश्रा की सुपुत्री श्रीमती अर्चना चिटनीस इस अवसर पर उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि निमाड अंचल के सक्रिय और लोकप्रिय जननेता रहे श्रद्धेय बृजमोहन मिश्रा तीन बार विधानसभा सदस्य रहे। उन्होंने मार्च 1990 से दिसम्बर 1993 तक विधानसभा अध्यक्ष का दायित्व संभाला। उनका यह कार्यकाल प्रणाम्युद और अनुकरणीय रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रद्धेय मिश्रा जी की विद्याथी परिषद में सक्रियता का भी स्मरण किया।

भोपाल में 2 गाय गायब फार्म हाउस में खून मिला

बजरंग दल ने थाने में दिया धरना, आरोपियों की गिरफ्तारी और एसआईटी जांच की मांग



भोपाल (नप्र)। भोपाल के गांधी नगर इलाके में चोरी हुई दो गायों के मामले में शनिवार को फार्म हाउस में उनकी घंटियां और पास ही बड़ी मात्रा में खून मिलने के बाद विवाद बढ़ गया है। आरोप है कि गायों को काटकर तस्करी के लिए ले जाया गया, लेकिन अब तक पुलिस आरोपियों की पहचान नहीं कर सकी है। ऐसे में आरोपियों की गिरफ्तारी, धाराएं बढ़ाने और एसआईटी जांच की मांग को लेकर सोमवार को बजरंग दल और विहिप कार्यकर्तों ने गांधी नगर थाने में धरना दिया। कार्यकर्ताओं ने एडिशनल डीसीपी मलकीत सिंह को ज्ञापन सौंपा।

खेत से बंधी गायें हुई थीं गायब

पुलिस के मुताबिक फरियादी बद्रीप्रसाद भिलाला ने बताया कि वे अचारपुरा रोड गोदरकक के निवासी हैं और खेती करते हैं। शुक्रवार रात उन्होंने गायों को खेत के पास मैदान में बांधा था, जो सुबह गायब मिलीं। गायों की तलाश के दौरान जैन फार्म हाउस में उनके गले की घंटियां मिलीं। पास ही बड़ी मात्रा में खून और अवशेष भी पाए गए, जिससे गाय काटे जाने की आशंका जताई गई।

पुलिस ने दर्ज किया केस, जांच जारी- टीआई ब्रजेंद्र मर्सकोले ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और जांच जारी है।

सिलेण्डरों की सप्लाई सतत रूप से की जा रही है। घरेलू एवं कॉर्पोरेट की सप्लाई में किसी प्रकार का अवरोध नहीं है। घरेलू एवं कॉर्पोरेट सिलेण्डर की सप्लाई एवं वितरण सामान्य है।

पीएनजी गैस-सीजीडी संस्थाओं तथा ऑयल कंपनियों के अधिकारियों के साथ प्रतिदिन समीक्षा की जा रही है। अपर मुख्य सचिव श्रीमती शिमि अरूण शमी द्वारा विशेष अभियान चलाकर जिन घरों में पाइप लाइन की अधोसंरचना उपलब्ध है, एवं सप्लाई प्रदान नहीं कर रहे हैं, ऐसे घरों को आगामी 03 माह में पीएनजी से कनेक्ट करने के लिये निर्देशित किया गया। इस के लिये सभी सीजीडी संस्था एवं शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में कैम्प लगाए जाएं, जिसमें जिला प्रशासन, खाद्य विभाग नगर निगम/नगर पालिका के अधिकारी, ऑयल कंपनी और सीजीडी संस्थाओं के जिला अधिकारी को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसे सभी घरों एवं व्यवसायों की सूची सीजीडी संस्था को उपलब्ध कराई जाये।

अपर मुख्य सचिव द्वारा निर्देशित किया गया कि जिन स्थानों पर पूर्व से पीएनजी की पाइप लाइन है, सर्वप्रथम उन्हें प्राथमिकता से कनेक्शन दिए जाएं। साथ ही नई पाइप लाइन डालकर कनेक्शन का कार्य भी साथ-साथ किया जाए। सीजीडी संस्थाओं द्वारा अवगत कराया गया कि उन्होंने जिला कलेक्टर के माध्यम से आवश्यक मैन पावर प्राप्त करने की कार्यवाही कर ली है तथा आगामी माहों में लक्ष्य के अनुसार नये पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध करा दिए जायेंगे।



किये गये प्राथमिकता क्रम अनुसार सप्लाई निरंतर जारी रखने के निर्देश दिये हैं। यह भी ध्यान रखा जाये कि सड़क पर कारोबार कर रहे छोटे व्यवसायी (स्ट्रीट वेण्डर) को भी उक्त अनुसार कर्मशियल सिलेण्डर प्रदाय किये जायें। ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी प्लांट अतिरिक्त समय तक काम कर रहे हैं। प्रदेश के जिलों में स्थित बॉटलिंग प्लांट तथा वितरकों के पास उपलब्धता एवं प्रदाय की सतत रूप से समीक्षा की जा रही है। साथ ही माइग्रेट लेबर, छात्रों आदि के लिए खाना पकाने के लिये 05बद्द के सिलेण्डर ऑयल कंपनियों द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आम जनता से अपील की गई है कि वह वैकल्पिक साधनों, जैसे इंडक्शन, सोलर कुकर, बायो गैस, गोबर धन तथा स्वसहयता समूहों द्वारा उत्पादित गै-काष्ठ का उपयोग करें।

वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग को उनके यहां रजिस्टर्ड 44 कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) प्रोजेक्ट को चालू करने के निर्देश दिये गये हैं। इसी प्रकार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 44 जिलों में 136 बायोगैस प्लांट संचालित होना बताया गया है। इन बायोगैस प्लांटों को क्रियाशील करने के निर्देश भी दिये गये हैं।

रसोई गैस की स्थिति- रसोई गैस का प्रदेश के बॉटलिंग प्लांटों में घरेलू एवं कॉर्पोरेट एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखा गया है। घरेलू गैस उपभोक्ताओं द्वारा की गई बुकिंग के विरुद्ध एलपीजी सिलेण्डर का प्रदाय निरंतर रूप से किया जा रहा है। साथ ही कॉर्पोरेट उपभोक्ताओं को शासन द्वारा तय किये गये प्राथमिकता क्रम अनुसार आवंटन प्रतिशत के आधार पर कॉर्पोरेट गैस

मंत्री श्री राजपूत ने भारत सरकार द्वारा निर्धारित 70 प्रतिशत सीमा के अधीन संस्थाओं एवं प्रतिष्ठानों को तय

पेट्रो सांचेज

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।



अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वैश्विक परिदृश्य में उभरे उन नायकों को कतई पसंद नहीं करते हैं, जो उनकी बात नहीं मानते हैं। स्पेन के प्रधानमंत्री पेट्रो सांचेज ऐसे नेताओं में अग्रणी हैं। दुनिया के खुदमुखार होने के दर्प में बैठे ट्रंप को न तो पेट्रो का चेहरा रास आ रहा है और न ही उनकी बोली सुहाती है। लेकिन पेट्रो हैं कि अपनी कथनी और करनी से उन्हें क्षुब्ध और रुष्ट करने का कोई मौका नहीं छोड़ते, फलतः वह ट्रंप की आंखों की ऐसी किरकिरी बनकर उभरे हैं, जो दिनोंदिन ज्यादा बड़ी और तकलीफदेह होती जा रही है। चाहे नाटो का मामला हो या स्पेनी एयरबेस के इस्तेमाल की अनुमति, उन्होंने ट्रंप के कहे की अवज्ञा तो की ही, 18 अप्रैल को बार्सिलोना में ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, कोलंबिया और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्राध्यक्षों के चौथे 'लोकतंत्र बचाव' सम्मेलन की मेजबानी भी कर डाली। यही नहीं, इसी रोज उन्होंने विश्व के प्रगतिशील ताकतों को गतिशील करने के प्रयोजन से ब्राजील के लुला डी सिल्वा और दक्षिण अफ्रीका के सिरिल रामाफोसा के साथ करीब तीन हजार तरक्कीपसंद अफसरों, कार्यकर्ताओं और समाचार विश्लेषकों के सम्मेलन को संबोधित भी किया। इस सम्मेलन में ट्रंप की विरोधी हिलेरी क्लिंटन की वीडियो क्लिप भी दिखाई गई, जिसमें हिलेरी कहती सुनी गयी कि राह में कितनी भी विषमताएं क्यों न हों, हम बेहतर भविष्य रच सकते हैं।

लोकतंत्र की रक्षा के लिए आहुत सम्मेलन को लुला, रामाफोसा और सांचेज के अलावा मेक्सिको की क्लाराडिजा शीनवाम और कोलंबिया के गुस्तावो पेट्रो ने भी सम्बोधित किया और सुरक्षा परिषद पर पुनर्विचार की मांग की। कौन हैं ये पेट्रो सांचेज, जिन्होंने विश्व में अमेरिका के वर्चस्व के खिलाफ संघर्ष का बीड़ा उठाया है और जो अमेरिका की लानत मलामत के साथ ही वामोन्मुख ताकतों को एकजुट कर रहा है?

29 फरवरी, 1972 को स्पेन की राजधानी मैड्रिड में जन्मे पेट्रो सन् 2018 से स्पेन के प्रधानमंत्री हैं। इसके अलावा वह सतारूढ़ स्पेनिश सोशलिस्ट

ट्रंप की आंखों की किरकिरी

29 फरवरी, 1972 को स्पेन की राजधानी मैड्रिड में जन्मे पेट्रो सन् 2018 से स्पेन के प्रधानमंत्री हैं। इसके अलावा वह सतारूढ़ स्पेनिश सोशलिस्ट वर्कर्स पार्टी के महासचिव भी है। सोशलिस्ट इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का नौवां अध्यक्ष होना उनकी महत्ता और विचारधारा को इंगित करता है। उनकी राजनीतिक यात्रा दो दहाई पहले तब शुरू हुई थी, जब उन्होंने मैड्रिड में पार्पद का चुनाव लड़ा था। उनका राजनीतिक करियर धूपछँही रहा है और उन्हें सफलता रातों-रात या संतमेत में नहीं मिली। यहां तक कि उन्हें महासचिव पद के लिये भी पापड़ बेलने पड़े। पिता पेट्रो सांचेज फर्नांडेज संस्कृति मंत्रालय के रूपकर कलाओं व संगीत के राष्ट्रीय संस्थान में कार्यरत थे और माँ मद्रदलीना सिविल सर्वेंट थी। मजेदार बात है कि माँ- बेटे ने वकालत की सनद एक साथ हासिल की। ब्रेक डांस और बास्केट बॉल के शौकीन पेट्रो यूँ तो 1993 में ही वर्कर्स पार्टी से जुड़ गये थे, लेकिन सन 1995 में स्नातक होने के बाद वह ग्लोबल परामर्शदात्री फर्म में काम करने न्युयार्क चले गये। कुछ अर्सा ब्रसेल्स में बिताने के बाद, वह योरोपीय यूनियन के शिष्टमंडल में शामिल रहे।

उन्होंने बोस्निया-हर्जोगोविना में काम किया और वहाँ से लौटकर पोलिटिक्स एवं अर्थशास्त्र में डिग्री हासिल की है। उनकी अध्ययन-वृत्ति कि चार साल बाद उन्होंने तीसरी डिग्री हासिल की और सन 2012 में डॉक्टरेट। उस साल वह व्याख्याता भी रहे। पेट्रो स्पेन के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो फरटिदार इंग्लिश बोलते-समझते हैं। सन् 2014 का वर्ष उनके जीवन में वसंत लेकर आया। इस साल वह पार्टी के महासचिव और नेता प्रतिपक्ष बने। अगले वर्ष संपन्न आमचुनाव में वह प्रधानमंत्री पद के प्रत्याशी थे, लेकिन उनकी पार्टी दूसरी पायदान पर रही। पार्टी का महासचिव का पद फिसलने के बाद 2018 का पीएम मारिआनो राजोने के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के बाद नरेरा फेलिप षष्ठम ने उन्हें प्रधानमंत्री मनोनीत किया। बतौर पीएम उन्होंने

जोखिम उठाये। स्लैप-पोल कराया। जोखिम उन्हें फला। 2019 और 2023 में वह पुनः पीएम बने। दीगर है कि उन्हें छोटे-मोटे दलों से गठजोड़ करना पड़ा। पत्नी बेगीना गोमेज के सरकारी कामों में



दखल को लेकर भी वह विवादों में रहे।

पेट्रो अपने देश में संघीय ढाँचे के दृढ़ पैरोकार हैं। इसे वह कैटालोनिया को देश के भीतर बनाये रखने के लिये जरूरी मानते हैं। वह वित्तीय सुधारों के भी हिमायती हैं। घरेलू मोजे पर उनकी नीतियां स्पष्ट हैं। वह युवकों को बेरोजगारी भत्ता देने के पक्षधर हैं और आब्रजन के प्रति उनकी नीति उदार है।

आब्रजनों के लिए उन्होंने 'ओपन डोर' पालिसी अपनायी है। यहां तक कि उन्होंने अफगान शरणार्थियों के लिये शिविर खोले, जिसकी भूरि-भूरि प्रशंसा हुई। लैंगिक समानता के पक्षधर पेट्रो के मानवाधिकार और पर्यावरण पर विचार स्पष्ट है। घृणा-वाणी और अपसूचना को वह पसंद नहीं करते और अति-धनाढ्यों पर टैक्स की पैरवी करते हैं। शीनवाम और लुला जैसे राष्ट्रनायकों से उनकी निभती है। लुला के साथ वह शिखरवार्ता भी कर चुके हैं और शीनवाम के कथन से सहमत हैं कि विभिन्न देशों को सैन्य-बजट की दस फीसद राशि हरीतिमा पर खर्च करनी चाहिये। दोनों नेता युद्ध के बजाय जीवन के बीज बोना चाहते हैं। वह कहते हैं-यदि धुर दक्षिण वैश्विक है तो हमें भी होना चाहिये।

रामाफोसा और उनका साझा मत है कि यूएनओ दंतविहीन संगठन है और सुरक्षा परिषद की संरचना पर पुनर्विचार होना चाहिये। वजह यह कि रूस और अमेरिका जैसे परिषद के सदस्य ही उन्मादी हैं। अमेरिका ने ईरान तो रूस ने उक्राइना के खिलाफ जंग छेड़ रखी है। पेट्रो मानते हैं कि ट्रंप को अंतरराष्ट्रीय नियमों की कोई परवाह नहीं है और वह बल प्रयोग का आदी है। आप्रवासियों के प्रति उदार पेट्रो ने सेनेगल, मोरक्को और माली के शरणार्थियों के लिये स्पेन के दरवाजे खोल रखे हैं। सन 2027 तक वह इन देशों के करीब नौ लाख आब्रजनों के पुनर्वास को कानूनी जामा पहनायेंगे। वह आब्रजन को विधिबद्ध बनाना चाहते हैं। अमेरिका के वेनजुएला में दखल की उन्होंने निंदा की थी और इस्त्रायल की गाजा व अन्यत्र कार्रवाइयों का तीखा विरोध। उनकी दृष्टि में इस्त्रायल अंतरराष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन का दोषी है। वह इस्त्रायल को जातीय-संहार का दोषी मानते हुये उससे कोई कारोबार नहीं करना चाहते। वह कहते हैं कि

स्पेन के पास एटम बम नहीं है लेकिन स्पेन इस्त्रायल को जंग से रोकने की कोशिश करता रहेगा। हाल में वह चीन गये तो विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर उनके और जिनपिंग के सुरु यकसां थे। इसके पहले वह जर्मन चांसलर ओल्फ शाल्ज और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बायडन से मिले थे। समान राय कायम करने के लिये वह योरोपीय यूनियन के चार्ल्स माइकल और उर्सुला वान डेरलेयेन से भी मिले। योरोपीय यूनियन को अधिक सक्रिय और एकात्म बनाने के साथ ही वह स्पेन को विश्व मंच पर प्रभावी भूमिका में देखना चाहते हैं। उनके जेहन में अतीत के शक्तिशाली स्पेन की छवि है।

वह योरोपीय यूनियन और यूरो दोनों को मजबूती देने की बात कहते हैं और मानते हैं कि ईयू के दुश्मन ईयू के भीतर ही हैं। ट्रंप-विरोध में अग्रणी पेट्रो जब-तब ट्रंप को ठेंगा दिखाने से बाज नहीं आते। उन्होंने वेनेजुएला और ईरान में अमेरिकी कार्रवाई का विरोध किया और नाटो को पांच फीसद ट्रंप की गुजारिश ठुकरा दी। उन्होंने दो टुक कहा कि स्पेन पूर्ववत दो प्रतिशत योगदान ही देगा। उन्होंने ट्रंप की स्पेन से कारोबारी रिश्ते तोड़ने की धमकी की भी चिंता नहीं की। इन कारणों से उनका ट्रंप की आँखों की किरकिरी बनकर उभरना स्वाभाविक है। ट्रंप को पेट्रो सांचेज इसलिये भी नागवार गुजरते हैं, क्योंकि उन्होंने स्पेन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, कोलंबिया और उरुग्वे का अघोषित मंच बना रखा है और विश्व-मंच पर अमेरिका की नीतियों की निंदा और विरोध का कोई मौका नहीं छोड़ते। पेट्रो के मिजाज को इससे समझा जा सकता है कि उन्होंने शपथ ग्रहण समारोह में बाइबिल और सलीब का कोई इस्तेमाल नहीं किया और तानाशाह फ्रेंको की कब्र को खोदकर उसके अवशेषों को अन्यत्र दफनाने के आदेश में उन्हें कोई झिझक नहीं हुई।

विचार

मनीषा मंजरी

लेखक साहित्यकार हैं।



भारत में प्रेम कभी केवल दो व्यक्तियों के बीच का निजी अनुभव नहीं रहा, यह हमेशा सामाजिक संरचना, पारिवारिक अपेक्षाओं और सांस्कृतिक मूल्यों के साथ गहरी से जुड़ा रहा है। यहाँ रिश्ते केवल भावनाओं से नहीं, बल्कि परंपराओं की स्वीकृति से भी संचालित होते हैं। ऐसे में जब आज का युवा अपने जीवन में स्वतंत्रता, व्यक्तिगत चुनाव और भावनात्मक संतुलन को प्राथमिकता देने लगा है, तो प्रेम और रिश्तों की परिभाषा में बदलाव स्वाभाविक है। फिर भी, यह परिवर्तन सहज नहीं है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जहाँ आधुनिकता और परंपरा के बीच लगातार संवाद, और कभी-कभी टकराव, चल रहा है। आज का युवा इसी द्वंद्व के बीच अपने रिश्तों को जी रहा है, जहाँ एक ओर आत्मनिर्भरता की चाह है, और दूसरी ओर सामाजिक संरचना की सीमाएँ।

रिश्तों के प्रति बदलती परिपक्वता

समकालीन युवा अपने रिश्तों को लेकर पहले की तुलना में अधिक जागरूक और जिम्मेदार दृष्टिकोण अपनाते दिखाई दे रहे हैं। अब प्रेम केवल एक भावनात्मक आकर्षण नहीं, बल्कि एक ऐसी साझेदारी के रूप में देखा जा रहा है, जिसे समझ, संवाद और संतुलन की आवश्यकता होती है। इसी कारण से, अब युवा कपल्स अपने रिश्तों में आने वाली समस्याओं को नजरअंदाज करने के बजाय उन्हें सुलझाने का प्रयास करते हैं। काउंसलिंग और थेरेपी की ओर बढ़ता रुझान इसी सोच का परिणाम है। यह इस बात का संकेत है कि वे रिश्तों को केवल निभाने के लिए नहीं, बल्कि बेहतर बनाने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। इस परिवर्तन में एक सूक्ष्म भावनात्मक पहलू भी जुड़ा है, अब लोग यह स्वीकार करने लगे हैं कि रिश्तों में उलझन होना स्वाभाविक है, और उसे समझना भी उतना ही जरूरी है। यह स्वीकार्यता रिश्तों को अधिक ईमानदार और वास्तविक बनाती है।

डिजिटल युग और रिश्तों की बदलती संरचना

तकनीकी विकास ने जिस प्रकार हमारे जीवन को प्रभावित किया है, उसी प्रकार उसने हमारे रिश्तों की प्रकृति को भी बदल दिया है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्मों ने लोगों को जोड़ने के नए अवसर प्रदान किए हैं, लेकिन इसके साथ ही रिश्तों की स्पष्टता को कुछ हद तक जटिल भी बना दिया है। 'सिचुएशनशिप' जैसे नए शब्द इसी बदलते परिदृश्य की देन हैं। ये ऐसे रिश्ते होते हैं जिनमें भावनात्मक जुड़ाव तो होता है, लेकिन कोई स्पष्ट प्रतिबद्धता नहीं होती। यह प्रवृत्ति विशेष रूप से शहरी युवाओं में देखी जा रही है, जहाँ व्यक्तिगत स्वतंत्रता और आत्म-खोज को अधिक महत्व दिया जाता है। हालाँकि, इस प्रकार के रिश्तों में एक हल्की-सी भावनात्मक अनिश्चितता भी बनी रहती है। जब रिश्ते को कोई स्पष्ट नाम नहीं मिलता, तो उसमें जुड़ी अपेक्षाएँ भी अस्पष्ट हो जाती हैं। ऐसे में कई बार लोग भावनात्मक रूप से जुड़ तो जाते हैं, लेकिन उस जुड़ाव को परिभाषित नहीं कर पाते।

छोटे शहरों में उभरती नई अभिव्यक्तियाँ

यह परिवर्तन केवल महानगरों तक सीमित नहीं है। छोटे शहरों और कस्बों में भी युवा अब अपनी भावनाओं और रिश्तों को लेकर अधिक सजग हो रहे हैं। फर्क केवल इतना है कि वहाँ यह बदलाव अपेक्षाकृत शांत और संयमित रूप में दिखाई देता है। ऑडियो-आधारित सोशल प्लेटफॉर्मों और डिजिटल माध्यमों ने उन्हें एक ऐसा सुश्रुत स्थान दिया है, जहाँ वे बिना प्रत्यक्ष सामाजिक दबाव के अपनी बात रख सकते हैं। यह एक महत्वपूर्ण

परिवर्तन है, क्योंकि यह दर्शाता है कि अभिव्यक्ति की आवश्यकता हर सामाजिक स्तर पर समान रूप से मौजूद है। यहाँ भावनाएँ वही हैं, इच्छाएँ वही हैं, बस उन्हें जीने का तरीका थोड़ा अलग और अधिक सावधानीपूर्ण है।

रिश्तों को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं कर पाते। इसके पीछे परिवार की अपेक्षाएँ, जाति और धर्म से जुड़े सामाजिक मानदंड, और विवाह की पारंपरिक व्यवस्था जैसे कई कारण होते हैं। इस स्थिति में युवा अपने

रहे हैं। वे परंपराओं का सम्मान करते हुए अपनी पहचान को भी बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं।

लिव-इन रिलेशनशिप: स्वीकृति की ओर एक कदम

शहरी भारत में लिव-इन रिलेशनशिप का बढ़ता चलन इस बात का प्रमाण है कि युवा अब अपने रिश्तों को समझने के लिए नए रास्ते अपनाने लगे हैं। यह एक ऐसा विकल्प है, जिसमें दो लोग बिना विवाह के बंधन में बंधे, एक-दूसरे के साथ समय बिताकर अपनी संगति को समझना चाहते हैं। हालाँकि, इस विचार को अभी भी व्यापक सामाजिक स्वीकृति प्राप्त नहीं हुई है। कई बार ऐसे संबंधों को लेकर पूर्वाग्रह देखने को मिलते हैं, और व्यावहारिक स्तर पर भी चुनौतियाँ सामने आती हैं, जैसे कि आवास से जुड़ी समस्याएँ। फिर भी, यह बदलाव इस बात का संकेत है कि युवा अब अपने जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों को लेकर अधिक आत्मनिर्भर और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपना रहे हैं।

आज का भारतीय युवा प्रेम को एक नई दृष्टि से देख रहा है। उसके लिए प्रेम केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि एक भावनात्मक साझेदारी है, जिसमें समझ, संवाद और स्वतंत्रता का विशेष महत्व है। फिर भी, यह यात्रा पूरी तरह सरल नहीं है। आधुनिकता और परंपरा के बीच यह संतुलन बनाना एक निरंतर प्रक्रिया है, जिसमें संवेदनशीलता और धैर्य दोनों की आवश्यकता होती है। संक्षेप में, आज का प्रेम एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ वह न पूरी तरह परंपरागत है, और न ही पूरी तरह आधुनिक। वह इन दोनों के बीच एक संतुलन खोज रहा है, एक ऐसा संतुलन, जिसमें भावनाएँ भी सुरक्षित रहें और सामाजिक ताने-बाने की गरिमा भी बनी रहे। शायद यही इस दौर के प्रेम की सबसे सच्ची और प्रासंगिक तस्वीर है।

सामाजिक संरचना और निजी भावनाओं का द्वंद्व

भारतीय समाज की सबसे बड़ी विशेषता उसकी परंपराएँ हैं, लेकिन यही परंपराएँ कई बार व्यक्तिगत स्वतंत्रता के रास्ते में चुनौती भी बन जाती हैं। आज भी अनेक युवा अपने

व्यक्तिगत भावनात्मक जीवन और सामाजिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करते हैं। यह संतुलन हमेशा सहज नहीं होता। कई बार इसमें समझौते करने पड़ते हैं, और कई बार अपने ही भावनाओं को सीमित करना पड़ता है। फिर भी, इस पूरे परिदृश्य में एक सकारात्मक पक्ष यह है कि युवा अब इन सीमाओं को समझते हुए भी अपने निर्णयों के प्रति अधिक सजग हो

विचार

कुमार सिद्धार्थ

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।



दुनिया को जानने-समझने के कई रास्ते हैं। विज्ञान उसे तथ्यों और नियमों की कसौटी पर परखता है, दर्शन उसे प्रश्नों और विचारों की रोशनी में देखता है, जबकि कला उसे अनुभव और संवेदना के माध्यम से व्यक्त करती है। कई बार कोई छोटा-सा प्रतीक भी जीवन की गहरी सच्चाइयों को उजागर कर देता है। जापान की एक लोककथा ऐसा ही एक प्रतीक सामने रखती है लाल धागे का।

कहा जाता है कि जब कोई बच्चा जन्म लेता है तो उसकी छोटी उंगली में एक अदृश्य लाल धागा बंध जाता है, जो किसी दूसरे व्यक्ति से जुड़ा होता है। यह धागा दोनों के जीवन को किसी न किसी रूप में एक-दूसरे से जोड़ देता है। लोकविश्वास यह भी कहता है कि यह धागा उस रक्त-नाड़ी का विस्तार है जो हमारे हृदय से छोटी उंगली तक जाती है। यह लोककथा केवल भाग्य की कल्पना नहीं है; यह मनुष्य के जीवन में संबंधों की अनिवार्यता का रूपक है।

मनुष्य का जीवन दरअसल संबंधों से ही निर्मित होता है। हम अपने आप को भले ही स्वतंत्र व्यक्ति मानें, लेकिन हमारी पहचान अनेक रिश्तों, स्मृतियों और अनुभवों से मिलकर बनती है। परिवार, मित्रता, समाज, संस्कृति और साझा इतिहास ये सभी हमारे अस्तित्व को आकार देते हैं।

इन संबंधों का एक बड़ा हिस्सा दिखाई नहीं देता, लेकिन उनका प्रभाव जीवन में लगातार बना रहता है। जैसे किसी जाल के महीन धागे एक-दूसरे में उलझकर पूरी संरचना को थामे रहते हैं, वैसे ही हमारे संबंध भी जीवन की पूरी बुनावट को संभाले रखते हैं।

यदि जीवन को एक रूपक में समझना हो तो वह किसी सीधी रेखा की तरह नहीं, बल्कि धागों से बुनी हुई एक जटिल संरचना की तरह है। हर संबंध एक धागे जैसा है कभी मजबूत, कभी ढीला, कभी उलझा हुआ और कभी टूट जाने के कगार पर। रिश्तों की यही जटिलता जीवन को अर्थ भी देती है और चुनौती भी।

आज के समय में दुनिया पहले से कहीं अधिक जुड़ी हुई दिखाई देती है। तकनीक, संचार और डिजिटल माध्यमों ने दूरियों को लगभग समाप्त कर

दिया है। एक क्लिक में हम दुनिया के किसी भी हिस्से से जुड़ सकते हैं। लेकिन इसके बावजूद मनुष्य के भीतर अकेलेपन की भावना भी उतनी ही तीव्र होती जा रही है।

यह हमारे समय का एक बड़ा विरोधाभास है बाहरी जुड़ाव बढ़ रहा है, लेकिन भावनात्मक दूरी भी गहरी हो रही है। ऐसे समय में यह विचार कि हम सब अदृश्य धागों से जुड़े हुए हैं, हमें अपने अस्तित्व को एक नई समझ देता है।

स्मृतियाँ भी इन धागों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वे हमारे भीतर अतीत की उपस्थिति बनाए रखती हैं। किसी व्यक्ति से जुड़ी एक छोटी-सी स्मृति भी वर्षों बाद अचानक जीवित हो उठती है और हमें उन क्षणों में वापस ले जाती है जिन्हें हम बीत चुका समझते हैं।

इसी तरह किसी संबंध का टूटना केवल एक व्यक्ति से दूरी नहीं होता, बल्कि हमारे जीवन की बुनावट का एक धागा ढीला पड़ जाना होता है। शायद इसलिए मनुष्य संबंधों के प्रति इतना संवेदनशील होता है।

जीवन की एक और सच्चाई उसकी अनिश्चितता है। हम योजनाएँ बनाते हैं, लक्ष्य तय करते हैं, लेकिन

जीवन हमेशा सीधी रेखा में नहीं चलता। कभी कोई अनजान व्यक्ति अचानक हमारे जीवन में प्रवेश कर जाता है और हमारी सोच की दिशा बदल देता है। कभी कोई रिश्ता धीरे-धीरे समय की धुंध में खो जाता है।

इन सबके बीच जीवन हमें यह सिखाता है कि हर अनुभव चाहे, वह सुख का हो या दुःख का, हमारी आंतरिक यात्रा का हिस्सा है। यही अनुभव धीरे-धीरे हमारी समझ को गहरा बनाते हैं।

कला इसी समझ की खोज का एक माध्यम है। कलाकार अपने निजी अनुभवों हानि, स्मृति, प्रेम और विछोह को किसी प्रतीक या रूप में व्यक्त करता है। वह अपने अनुभवों को इस तरह प्रस्तुत करता है कि वे केवल उसकी कहानी न रहकर एक साझा मानवीय अनुभव बन जाएँ।

जब हम किसी कलाकृति को देखते हैं, तो उसमें हमें केवल कलाकार का संसार नहीं दिखाई देता, बल्कि कहीं न कहीं अपनी कहानी भी दिखाई देने लगती है। यही कला की शक्ति है वह व्यक्तिगत को सार्वभौमिक बना देती है।

दरअसल मनुष्य की भावनाएँ बहुत अलग नहीं होतीं। अलग-अलग भाषाओं, संस्कृतियों और देशों के

बावजूद प्रेम, दुःख, आशा, भय और स्मृति जैसी भावनाएँ सभी मनुष्यों में समान रूप से मौजूद रहती हैं। यही हमारी साझा मानवता है।

आज जब दुनिया कई तरह के विभाजनों से गुजर रही है धर्म, जाति, राष्ट्र और विचारधाराओं के आधार पर तब यह याद रखना और भी जरूरी हो जाता है कि हम सब मूलतः एक ही मानवीय अनुभव के हिस्सेदार हैं।

शायद यही अदृश्य धागों का अर्थ भी है। वे हमें यह याद दिलाते हैं कि हम अलग-अलग होकर भी एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

जीवन की सबसे बड़ी सुंदरता भी इसी साधारण बुनावट में छिपी है। रोजमर्रा के छोटे-छोटे क्षण, मामूली-सी मुलाकातें, स्मृतियों की हल्की आहटें और संबंधों की गर्माहट ये सब मिलकर जीवन को अर्थ देते हैं।

कभी-कभी हमें बस इतना ही करना होता है कि इन अदृश्य धागों को पहचानें, उन्हें संभाल कर रखें और उस साझा मानवता को याद रखें जो हम सबको एक-दूसरे से जोड़ती है। शायद यही वह अदृश्य लाल धागा है, जिससे जीवन की पूरी दुनिया बुनी हुई है।

अदृश्य धागों से बुनी दुनिया

संपतिया उड़के

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की अनिवार्य आवश्यकता है। एक ऐसी महिला, जिसने अपने जीवन में अभाव, संघर्ष और सामाजिक चुनौतियों का सामना करते हुए सार्वजनिक जीवन में स्थान बनाया है, वह भली-भांति समझ सकती है कि अक्सर मिलने पर महिलाएं समाज को किस दिशा में ले जा सकती हैं।

आज जब देश में महिला आरक्षण को लेकर महत्वपूर्ण पहल की जा रही है, तब यह आवश्यक है कि सभी पक्ष मिलकर इस विषय पर सकारात्मक और रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाएं। यह देश की आधी आबादी

की भागीदारी सुनिश्चित करने का सशक्त प्रयास है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'नारी शक्ति चंदन' को 21वीं सदी का एक महत्वपूर्ण संकल्प बताया है। यह उस भारत की परिकल्पना है, जहां महिलाएं नीति निर्माण और नेतृत्व की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाएं और विकास की दिशा को सशक्त बनाएं।

महिला आरक्षण को लेकर सरकार द्वारा गंभीर और प्रतिबद्ध प्रयास किए गए हैं, जिससे महिलाओं की भागीदारी को संस्थागत स्वरूप दिया जा सके। इस दिशा में आवश्यक प्रक्रियाएं भी आगे बढ़ाई गईं, लेकिन सभी पक्षों की सहमति के अभाव में यह पहल अपने अपेक्षित परिणाम तक नहीं पहुंच सकी। यह विषय इतना महत्वपूर्ण

है कि इसे सभी पक्षों के सहयोग और सकारात्मक सहभागिता के साथ आगे बढ़ाया जाना आवश्यक है, ताकि देश की आधी आबादी को उनका उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके।

महिला आरक्षण का 33 प्रतिशत प्रावधान केवल प्रतिनिधित्व बढ़ाने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह सामाजिक संरचना को संतुलित करने का एक सशक्त माध्यम है। इससे महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में अधिक भागीदारी मिलेगी, नीति निर्माण में संवेदनशीलता बढ़ेगी और समाज के विभिन्न वर्गों की आवाज को उचित मंच प्राप्त होगा। विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों की महिलाओं के लिए यह अक्सर अत्यंत महत्वपूर्ण साबित

हो सकता है।

अनुभव यह दर्शाते हैं कि जब महिलाओं को अवसर मिलता है, तो वे समाज में व्यापक और सकारात्मक परिवर्तन लाने में सक्षम होती हैं। ग्राम पंचायत से लेकर विभिन्न स्तरों तक, महिलाओं ने अपनी नेतृत्व क्षमता का प्रभावी परिचय दिया है। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से भी महिलाओं ने आर्थिक और सामाजिक बदलाव को नई दिशा दी है, जो नारी सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण है।

यह आवश्यक है कि महिला सशक्तिकरण के इस प्रयास को सभी के सहयोग और समन्वय से आगे बढ़ाया जाए। यह किसी एक पक्ष का नहीं, बल्कि पूरे समाज का

विषय है और इसमें सामूहिक प्रतिबद्धता ही सफलता का आधार बनेगी।

आज भारत की महिलाएं जागरूक हैं, आत्मनिर्भर हैं और अपने अधिकारों के प्रति सजग हैं। उनकी यह बढ़ती भागीदारी देश के विकास को नई गति दे रही है और आने वाले समय में यह परिवर्तन और अधिक व्यापक रूप में दिखाई देगा। नारी सशक्तिकरण का यह अभियान केवल एक पहल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत के सामाजिक और लोकतांत्रिक भविष्य को सशक्त बनाने की दिशा में एक सतत और दूरदर्शी प्रयास है।

(लेखिका, मध्यप्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय मंत्री हैं)

पानी बचाना हमारी जरूरत भी है और जिम्मेदारी भी : मुख्यमंत्री

'जल गंगा संवर्धन अभियान' से प्रदेश में जल संरक्षण को मिली नई गति

राष्ट्रीय स्तर पर तीसरे स्थान पर पहुंचा मध्यप्रदेश

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में जल संरक्षण को जन-आंदोलन बनाया जा रहा है। पानी बचाना बेहद जरूरी है। यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी भी है, जिससे हमारी आने वाली पीढ़ियां प्रकृति के इस अनमोल वरदान से कभी भी कमी महसूस नहीं करें। इसके लिए हमें अपने वर्तमान जल स्रोतों के साथ सख्त चुके जल स्रोतों को संरक्षित करना ही होगा। उन्होंने कहा कि पानी बचाने के लिए प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। सरकार और समाज के साझा प्रयासों से हो रहे इस अभियान में बीते एक माह में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया है।

प्रदेश में संचालित 'जल गंगा संवर्धन अभियान' ने अल्प समय में ही उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। विगत 19 मार्च 2026 से प्रारंभ हुआ यह अभियान जल संरक्षण, जल संरचनाओं के संवर्धन और जनभागीदारी का एक व्यापक जन-आंदोलन बनता जा रहा है। इस अभियान के प्रभाव से ही मध्यप्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर अपनी रैंकिंग सुधारकर अब तीसरे स्थान पर आ गया है। अभियान से पहले मध्यप्रदेश नेशनल रैंकिंग में छठवें स्थान पर था।

राज्य सरकार द्वारा आगामी 30 जून तक चलाए जा रहे इस अभियान में 16 विभागों की 58 गतिविधियां नियत की गई हैं। इसके लिए लगभग 6 हजार 278 करोड़ रुपये का वित्तीय लक्ष्य तय किया गया है। इस अभियान में कुल 2 लाख 44 हजार से अधिक जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों को चिन्हित कर लगभग 6 हजार 236 करोड़ रुपये की लागत से विकास कार्यों का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

अभियान की मॉनिटरिंग एकीकृत डैश बोर्ड से

आयुक्त, मनरेगा ने बताया कि अभियान की एक ही प्लेटफॉर्म पर नियमित मॉनिटरिंग के लिए एक एकीकृत डैश बोर्ड तैयार किया गया है, जिससे सभी विभाग अपनी-अपनी विभागीय गतिविधियों की प्रगति दर्ज कर रहे हैं। इस डैश बोर्ड से जिलेवार रैंकिंग भी सुनिश्चित की जा रही है। इस डैश बोर्ड से प्रशासनिक एवं विभागीय पारदर्शिता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा मिल रहा है। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। अभियान अंतर्गत 39 हजार 977 खेत तालाबों का निर्माण, 59 हजार 577 कूप-रीचार्ज संरचनाओं तथा 21 हजार 950 से

अधिक पहले से निर्मित जल संरचनाओं को पुनर्जीवित भी किया गया है। इसके साथ ही अमृत सरोवरों के निर्माण और उनके उपयोग को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

नगरीय क्षेत्रों में जल संरक्षण

नगरीय क्षेत्रों में भी जल संरक्षण को लेकर व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा तालाब, कुएं और पुरानी बावड़ियों के संवर्धन, नालों की सफाई और सौंदर्यीकरण तथा रैन वॉटर हार्वैस्टिंग सिस्टम की स्थापना जैसे कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त तेज गर्मी को देखते हुए नगरीय निकायों द्वारा विभिन्न स्थानों पर प्याऊ की स्थापना भी की गई है।

म.प्र. जन अभियान परिषद चला रही जनजागरूकता गतिविधियां

म.प्र. जन अभियान परिषद के माध्यम से राज्य में जल संरक्षण को लेकर व्यापक जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में 5 लाख 25 हजार से अधिक व्यक्तियों की सक्रिय सहभागिता दर्ज की गई। साथ ही प्रदेश के विभिन्न विकासखंडों में 2 हजार 682 जल मंदिर (प्याऊ) स्थापित किए गए हैं।

डॉ. जवाहर कर्नावट लंदन में वातायन शिखर सम्मान से होंगे अलंकृत

भोपाल । प्रदेश के प्रखर वक्ता, लेखक तथा अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल के निदेशक डॉ. जवाहर कर्नावट को वातायन यूरोप द्वारा वातायन शिखर सम्मान से लंदन में सम्मानित किया जाएगा। उन्हें यह 'लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' 29 अप्रैल 2026 की शाम हाउस आफ लॉर्ड्स (ब्रिटिश संसद) में आयोजित सम्मान समारोह में प्रदान किया जाएगा। वातायन की स्थापना भारत-ब्रिटेन के मध्य शांति सद्भाव के लिए 2003 में लंदन में हुई थी। यह संस्था विश्व की अनेक प्रसिद्ध साहित्यिक संस्थाओं से भी जुड़ी हुई है और प्रतिवर्ष भाषा, कला, साहित्य, पत्रकारिता के लिए भारत एवं यूरोप के चुनिंदा व्यक्तियों को सम्मानित करती है। डॉ. कर्नावट का चयन हिंदी भाषा एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके वैश्विक योगदान को दृष्टिगत रखते हुए किया गया है। इसके पूर्व यह सम्मान भारत के पूर्व शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल निशंक स्वीडन के प्रोफेसर हॉइस वेसलर आदि को भी प्रदान किया जा चुका है। डॉ. कर्नावट के साथ ही वातायन साहित्य सम्मान बी.बी.सी. लंदन की पूर्व कार्यक्रम प्रस्तोता डॉ. अर्चना शर्मा, तथा ब्रिटेन की भाषाविद सुश्री सुरेखा चोपला तथा लेखिका शैल अग्रवाल को भी प्रदान किया जाएगा।



जल गंगा संवर्धन अभियान से जल संरक्षण की दिशा में हुआ अभूतपूर्व कार्य

विभिन्न जिलों से मिल रहे हैं सकारात्मक परिणाम



भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और ग्रामीण विकास का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। अभियान के तहत जल स्रोतों के पुनर्जीवन और नई जल संरचनाओं के निर्माण को गति मिली है। जनभागीदारी से जल प्रबंधन सशक्त हुआ है। इसके परिणामस्वरूप प्रदेश के विभिन्न जिलों में जल उपलब्धता में वृद्धि हुई है, कृषि उत्पादन में सुधार हुआ है और जैव विविधता को संरक्षण मिला है। साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी सुदृढ़ हुई है और लोगों की आजीविका में सकारात्मक परिवर्तन आया है।

छिंदवाड़ा-पालाचौरई में तालाब निर्माण से बढ़ी कृषि उत्पादकता

छिंदवाड़ा जिले के विकासखंड जुनारदेव का ग्राम पालाचौरई हरियाली और समृद्धि की मिसाल बनकर उभरा है। अभियान में ग्राम में जल संरचनाओं के निर्माण और पुराने जल स्रोतों के पुनर्जीवन को प्रारंभिकता दी गई। मत्स्य पालन तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के समन्वित प्रयासों से आधा एकड़ से लेकर ढाई एकड़ तक के तालाबों का निर्माण किया गया, जिससे वर्षभर जल उपलब्धता सुनिश्चित हुई है। जल स्तर में वृद्धि का सीधा लाभ कृषि क्षेत्र को मिला है। पूर्व में वर्षा पर निर्भर रहने वाले किसान अब सिंचित खेती कर रहे हैं। वर्तमान में किसान 3 फसलें लेकर उत्पादन और आय दोनों में वृद्धि कर रहे हैं। रबी सीजन में गेहूँ, चना, मसूर, सरसों, मटर का उत्पादन बढ़ा है। जायद सीजन में मूंग एवं उड़द की खेती भी संभव हो पाई है। इसके अतिरिक्त किसानों ने मछली पालन, मोती उत्पादन एवं सिंघाड़ा जैसी गतिविधियों से आय के वैकल्पिक स्रोत विकसित किए हैं। ग्राम की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, पलायन में कमी आई है और युवा कृषि से जुड़कर आत्मनिर्भर बन रहे हैं।

स्कूलों में जागरूकता गतिविधियां

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा भी इस अभियान में व्यापक तौर पर भागीदारी की जा रही है। राज्य के हजारों विद्यालयों में जल रैलियां, निबंध, पोस्टर प्रतियोगिताएं और संवाद कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों और अभिभावकों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया है।

तकनीकी नवाचार अंतर्गत वॉटरशेड विकास कार्यों की रियल टाइम मॉनिटरिंग, ऑनलाइन स्वीकृति और मोबाइल ऐप आधारित ट्रेकिंग प्रणाली लागू की गई है, जिससे कार्यों की गुणवत्ता और प्रशासनिक पारदर्शिता भी सुनिश्चित हो रही है।

वन और पर्यावरण विभाग द्वारा भी जल संरक्षण के साथ पारिस्थितिकीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए विभिन्न फील्ड गतिविधियों की जा रही हैं। नदियों के जल की गुणवत्ता का परीक्षण, जल संरचनाओं का निर्माण तथा पौधरोपण की तैयारी जैसे कार्य इसमें शामिल किए गए हैं। राज्य सरकार द्वारा सतत मॉनिटरिंग और नियमित रूप से समीक्षा की जा रही है। इससे धरातल पर मौजूद व्यावहारिक कमियों को दूर करने में भी मदद मिल रही है। 'जल गंगा संवर्धन अभियान' से मध्यप्रदेश में जल संरक्षण की दिशा में ठोस परिणाम मिलने शुरू हो गए हैं। मध्यप्रदेश सरकार की यह पहल देश के दूसरे राज्यों के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बनती जा रही है।

आंगनवाड़ी केन्द्र में मनाया पोषण पखवाड़ा

बैतूल। शहर के भगतसिंह वार्ड- 2 में पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। 9 अप्रैल से शुरू यह कार्यक्रम आगामी 23 अप्रैल तक चलेगा। जिसके अंतर्गत गर्भवती धात्री माताओं एवं जन्म से 2 वर्ष तक के बच्चों का वजन, ऊंचाई, टीकाकरण एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान करना एवं 3-6 वर्ष तक के बच्चों के समुचित विकास के आवश्यक पोषक तत्वों की जानकारी अभिभावकों को प्रदान करना है। इस संबंध में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती कौशल्या हजारों ने बताया कि जीवन के पहले 6 वर्ष में बच्चों के मस्तिष्क का अधिकतम विकास हो जाता है। स्वच्छ भोजन, बेहतर स्वास्थ्य, मजबूत शरीर, जिससे बच्चों

आंगनवाड़ी में घुसी तेज रफ्तार बलेनो, बच्चों के प्लेग्राउंड तक पहुंची, झाड़वर फरार

बैतूल। शहर के महावीर वार्ड स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में सोमवार दोपहर एक बड़ा हादसा टल गया। एक तेज रफ्तार बलेनो कार अनियंत्रित होकर सड़क से उतर गई और केंद्र की बाउंड्री तोड़ते हुए बच्चों के प्ले ग्राउंड तक जा पहुंची। घटना के समय बच्चे केंद्र में मौजूद नहीं थे, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की रफ्तार काफी तेज थी। केंद्र में घुसने से पहले कार ने वहां बने भगवान गणेश मंदिर के चबूतरे को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार की दिशा पश्चिम से पूर्व की ओर बदल गई। बताया जा रहा है कि कार में दो लोग सवार थे। घटना के तुरंत बाद वे वाहन को लॉक कर मौके से फरार हो गए। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुनीता तिवारी ने इस मामले की शिकायत पुलिस में की है। सूचना मिलने पर डायल 100 की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।



का हर कदम पोषण की ओर अग्रसर हो। इस कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी सहायिका सरिता मालवी, स्वास्थ्य विभाग से एएनएम सरोज सिंह बघेल, गर्भवती धात्री तथा 3-6 वर्ष तक के बच्चे उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कृषि मंत्री के निवास पर पहुंचकर वर-वधू को दिया आशीर्वाद

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को मुरैना में किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री ऐदल सिंह कंधाना के निवास पहुंचकर उनकी नातिनी आयुष्मति दीपिका (पुत्री स्वर्गीय श्री भूरा सिंह कंधाना) एवं आयुष्मान येन्द्रे (पुत्र श्री राव राजेश्वर सिंह, निवासी सिरसौद दयेली, ग्वालियर) को विवाह अवसर पर आशीर्वाद प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवदंपति को शुभाशीर्वाद देते हुए उन्हें उपहार भी भेंट किए और उनके सुखद एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन की कामना की। इस अवसर पर वरिष्ठ विधायक एवं प्रदेशाध्यक्ष श्री हेमंत खडेलवाल, सांसद श्री शिव मंगल सिंह तोमर, महापौर श्रीमती शारदा सोलंकी सहित जनप्रतिनिधि एवं परिजन उपस्थित थे।

सक्रिय हुए 4 खतरनाक सिस्टम! भीषण लू के बीच 23 अप्रैल से शुरू होगी 'आफत की गर्मी'

भोपाल-रायसेन, बैतूल में बादल; रतलाम-खरगोन में बूदाबांदी



झुलसाने वाली गर्मी के बीच आंधी-बारिश का अलर्ट

अप्रैल का महीना अपने तीखे तेवर दिखा रहा है। राज्य में इस समय तीन अलग-अलग मौसम प्रणालियां एक साथ सक्रिय हैं, जिसके कारण प्रदेश के आधे हिस्से में भीषण लू चल रही है, तो वहीं कुछ हिस्सों में गरज-चमक

के साथ आंधी और बूदाबांदी की स्थिति बनी हुई है। मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों के लिए 'थेलो अलर्ट' जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस समय बिहार से मध्य प्रदेश तक एक ट्रफ लाइन गुजर रही है। साथ ही, राजस्थान के ऊपर एक चक्रवात और महाराष्ट्र के ऊपर एंटी-साइक्लोन सक्रिय है। इन प्रणालियों के मिलन से हवाओं में अस्थिरता पैदा हो गई है, जिससे दिन में तपती गर्मी और शाम को अचानक आंधी का दौर शुरू हो जाता है।

प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में कैसा रहेगा मौसम

ग्वालियर-चंबल में सबसे ज्यादा तपिश रहेगी। ग्वालियर, मुरैना और शिवपुरी में पारा 42 से 44 डिग्री तक पहुंच सकता है। यहां राजस्थान की ओर से आ रही गर्म हवाओं के कारण लू का सबसे ज्यादा असर रहेगा। दोपहर में धूल भरी आंधी चलने की भी संभावना है।

भोपाल-इंदौर संभाग में शाम को राहत, दिन में आफत जैसी स्थिति बनेगी। भोपाल सहित इंदौर, उज्जैन और सीहोर में तापमान 40 से 43 डिग्री के बीच बना रहेगा।

महाराष्ट्र के एंटी-साइक्लोन की वजह से दिन में लू जैसे हालात रहेंगे, लेकिन स्थानीय प्रभाव से शाम को हल्की आंधी चल सकती है।

जबलपुर-शहडोल-रीवा संभागों में आंधी और बारिश का अलर्ट दिया गया है। पूर्वी मध्य प्रदेश में ट्रफ लाइन का असर ज्यादा है। यहां 38 से 41 डिग्री तापमान के साथ 40-60 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। जबलपुर और शहडोल संभाग में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की भी संभावना है।

बुंदेलखंड और दक्षिण मध्य प्रदेश में सागर, छतरपुर और टीकमगढ़ में धूल भरी आंधी और भीषण गर्मी रहेगी। वहीं बैतूल और छिंदवाड़ा जैसे दक्षिणी जिलों में नमी के कारण बादल छाए रहेंगे और हल्की बूदाबांदी हो सकती है।

23 अप्रैल से फिर बदलेगा मौसम

रिटायर्ड मौसम विज्ञानी डॉ. शैलेंद्र नायक के अनुसार 23 अप्रैल को एक नया पश्चिमी विक्षोभ हिमालयी क्षेत्र में प्रवेश करेगा। इसका असर मध्य प्रदेश में 24 और 25 अप्रैल को दिखाई देगा, जिससे तापमान में थोड़ी गिरावट आ सकती है और आंधी-बारिश की गतिविधियां तेज होंगी।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से दो हितग्राहियों को उपचार हेतु 1.50 लाख की आर्थिक सहायता स्वीकृत

विदिशा (निप्र)। सामान्य प्रशासन विभाग से प्राप्त आदेश के अनुपालन में मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-2027 हेतु दो हितग्राहियों को उपचार के लिए आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता द्वारा संबंधित अस्पतालों के लिए जारी आदेश के अनुसार विदिशा जिले के श्री इंद्रीस अहमद (पिता सिद्दीकी अहमद) को उनके उपचार हेतु भोपाल स्थित एशियन ग्लोबस लिवर एंड गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी सेंटर हॉस्पिटल में उपचार के लिए 50 हजार रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। वहीं श्रीमती राधाबाई रघुवंशी पति श्री विजय सिंह रघुवंशी, निवासी गुलाबगंज को गैस्ट्रोकेयर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल भोपाल में उपचार हेतु एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। इस प्रकार कुल 02 हितग्राहियों को उपचार सहायता के रूप में 1,50,000 (एक लाख पचास हजार रुपए मात्र) की राशि स्वीकृत की गई है। उक्त राशि संबंधित अस्पतालों के बैंक खातों में सीधे भुगतान किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। यह सहायता मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान योजना के अंतर्गत जरूरतमंद व्यक्तियों को स्वास्थ्य उपचार में राहत प्रदान करने के उद्देश्य से दी जाती है, जिससे गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को आर्थिक संकल मिल सके।

पेयजल समस्याओं के निराकरण के लिए पीएचई विभाग द्वारा लगाए जा रहे शिविर

सीहोर (निप्र)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा सीहोर जिले में पेयजल समस्याओं के निराकरण के लिए शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविरों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता को एफटी के किट के माध्यम से पेयजल परीक्षण और पंप ऑपरेटर्स को योजना के संचालन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही पेयजल स्रोतों के आस-पास सफाई रखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पेयजल समस्याओं के निराकरण के लिए स्थापित कंट्रोल रूम में 203 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से लगभग 183 शिकायतों का त्वरित एवं सम्यक निराकरण किया जा चुका है। सीहोर जिले में विभिन्न विकास खण्डों में 15 नलकूपों की सफाई का कार्य पूर्ण कराया गया है। विगत 01 माह में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित लगभग 58 हैंडपंपों में नए राइजर पाइप बदकर हैंडपंपों को चालू किया गया है। इसके साथ ही ऐसे हैंडपंप जिनका जल स्तर कम होने के कारण आंशिक रूप से क्रियाशील थे, उनमें 26 सिंगल फेज मोटर पंप डालकर सुचारु पेयजल आपूर्ति प्रारम्भ की गई है।

मादाकुई के ओम साई वेयरहाउस उपाजर्ज केंद्र को श्री ओम वेयरहाउस गुलरपुरा पर किया गया स्थानांतरित

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरु के. द्वारा किसानों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए भैरूदा के भादाकुई स्थित ओम साई वेयरहाउस उपाजर्ज केंद्र को निरस्त कर गुलरपुरा स्थित श्री ओम वेयरहाउस पर स्थानांतरित कर दिया गया है। जिन किसानों ने आगामी तारीखों के लिए इस उपाजर्ज केंद्र पर अपने स्लॉट बुक किए हैं वह तारीख यथावत रहेंगी, केवल उपाजर्ज केंद्र बदला गया है। यानी अब किसान ओम साई वेयरहाउस के स्थान पर श्री ओम वेयरहाउस पर अपनी उपज विक्रय करेंगे। जिला उपाजर्ज प्रभारी आकाश चंदेल ने बताया कि जांच के दौरान भादाकुई के ओम साई वेयरहाउस उपाजर्ज केंद्र पर स्लॉट बुकिंग से अधिक खरीदी एवं आगामी दिवसों के स्लॉट बुकिंग वाले कृषकों से खरीदी करने की अनियमितता पाई गई थी, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने इस उपाजर्ज केंद्र को निरस्त कर स्थानांतरित कर दिया, ताकि किसानों को कोई परेशानी न हो। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि नवीन उपाजर्ज केंद्र श्री ओम वेयरहाउस पर किसानों से खरीदी यथावत जारी रखी जाए, ताकि उपाजर्ज प्रक्रिया में कोई रुकावट न हो। इसके साथ ही कलेक्टर श्री बालागुरु के. द्वारा इस अनियमितता के लिए गोदाम संचालक श्री चतरनारायण महेश्वरी, कृषि विभाग की एईओ श्रीमती पावल नागर और भादाकुई सहकारी समिति के प्रबंधक को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिस का 03 दिन में जवाब नहीं देने पर संबंधितों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

यातायात नियम तोड़ने वालों पर सख्ती: निलंबित ड्राइविंग लाइसेंस बहाल कराने के लिए रिफ्रेशर ट्रेनिंग अनिवार्य

विदिशा (निप्र)। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए अब निलंबित ड्राइविंग लाइसेंस को पुनः चालू कराने के लिए रिफ्रेशर ट्रेनिंग कोर्स अनिवार्य कर दिया गया है। मोटरवाहन अधिनियम के तहत वाहन चालक के दौरान गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर चालानी कार्रवाई के साथ-साथ चालक का ड्राइविंग लाइसेंस जब्त कर उसे निलंबित अथवा निरस्त करने के लिए परिवहन कार्यालय भेजा जा सकता है। जिला परिवहन अधिकारी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 (01 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026) के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 121 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। जिन प्रमुख उल्लंघनों पर यह कार्रवाई की जाती है, उनमें तेज गति से वाहन चलाना या रैसिंग करना, खतरनाक तरीके से वाहन चलाना, नशे की हालत में वाहन चलाना, असुरक्षित स्थिति में वाहन चलाना, दोपहिया वाहन पर हेलमेट या अन्य सुरक्षा उपकरणों का उपयोग न करना तथा एम्बुलेंस जैसे आपातकालीन वाहनों को रास्ता न देना शामिल हैं। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि अब ऐसे निलंबित लाइसेंसों की बहाली तब तक नहीं की जाएगी, जब तक संबंधित वाहन चालक किसी मान्यता प्राप्त संस्था से रिफ्रेशर ट्रेनिंग कोर्स पूर्ण नहीं कर लेता। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार 20 अप्रैल से यह व्यवस्था लागू कर दी गई है, जिसके तहत बिना रिफ्रेशर कोर्स के लाइसेंस का निलंबन स्वतः समाप्त होने की प्रक्रिया समाप्त कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। भविष्य में नियमों का उल्लंघन करने से वाहन चालकों को केवल दंडात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा, बल्कि उन्हें अनिवार्य रूप से प्रशिक्षण प्राप्त कर सुस्थित ड्राइविंग के प्रति जागरूकता के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रतिस्पर्धा के युग में स्वयं की प्रतिभा को निखारें विद्यार्थी: कलेक्टर

जिला स्तरीय मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह आयोजित

प्रावीण्य सूची में अक्ल स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को मिलेगा किंडल ई बुक रीडर

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के युग में विद्यार्थियों को स्वयं की प्रतिभा निखारना जरूरी है। इसके लिए वह पूरी मेहनत के साथ अध्ययन करें। साथ ही अपने उज्वल कैरियर के लक्ष्य पर फोकस करें। श्री जैन शनिवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जिला स्तरीय मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में 10वीं एवं 12वीं बोर्ड कक्षा में राज्य तथा जिले की प्रावीण्य सूची में स्थान पाने वाले 15 छात्र छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में कलेक्टर ने आगे कहा कि महाविद्यालयों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी स्वयं में बेहतर तार्किक क्षमता विकसित करें। साथ ही अध्ययन के लिए चयनित विषयों को अपने जेहन में उतारें। अध्ययन में पूर्णता लाने के



लिए अपने विषय से संबंधित ज्यादा से ज्यादा प्रश्न पूछने की क्षमता विकसित करें। दसवीं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थी अपनी रूचि के विषय का चयन करें। उन्होंने कहा कि प्रावीण्य सूची में अक्ल स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को किंडल ई बुक रीडर भी प्रदान की जाएगी। इस बुक रीडर से विद्यार्थियों को उपयोगी किताबों को अध्ययन करने में मदद मिलेगी। साथ ही विद्यार्थियों के लिए कैरियर काउंसलिंग सत्र आयोजित कर उन्हें बेहतर कैरियर निर्माण के लिए

आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि विद्यार्थी एडवांस कोडिंग एवं एआई कोर्स से जरूर जुड़ें। अंत में उन्होंने संबंधित शालाओं के शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं दीं। साथ ही विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में राज्य स्तर एवं जिला स्तर की प्रावीण्य सूची में स्थान पाने वाले जिन विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया उनमें गौरव विद्या निकेतन



अग्निदुर्घटना पीड़ित परिवारों को खाद्यान्न सामग्री उपलब्ध कराई

हरदा (निप्र)। टिमरनी विकासखंड के तहसील रहटगांव के वनांचल के ग्राम बड़झिरी में गत दिवस अचानक आग लगने से 08 परिवारों के बसें घर जल गए, आगजनी की इस दुखद घटना में परिवार के पास तन पर पहने कपड़े के अलावा कुछ नहीं बचा, पूर्ण रूप से घर जलकर नष्ट हो गए तथा खाद्यान्न,

कपड़े, बर्तन सभी आगजनी में नष्ट हो गए। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन के निर्देश पर शनिवार को उचित मूल्य दुकान के लगे से 08 परिवारों के बसें घर जल गए, आगजनी की इस दुखद घटना में बड़झिरी में पीड़ित परिवारों को प्रति परिवार 50 किलोग्राम खाद्यान्न उपलब्ध कराया।

जिले में स्वगणना को लेकर उत्साह, डिजिटल जनगणना में बढ़-चढ़कर भागीदारी की अपील



बैतूल (निप्र)। जिले में आगामी जनगणना 2027 के तहत स्वगणना (सेफ एयूमेरेशन) को लेकर उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। जिला योजना अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार गौतम ने बताया कि इस बार की जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी, जिसमें स्वगणना एक अहम और आकर्षक पहल है। मध्यप्रदेश में 16 अप्रैल से इसकी शुरुआत हो चुकी है, जो 30 अप्रैल तक चलेगी। उन्होंने बताया कि जिले में स्वगणना का विधिवत प्रारंभ बैतूल कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना

अधिकारी डॉ. श्री सौरभ संजय सोनवणे द्वारा स्वगणना करके स्थ आई डी प्राप्त कर की गयी थी और जिलेवासियों से इसी अभिनव पहल का अधिकतम प्रयोग कर जनगणना में अपनी सहभागिता करने की विनम्र अपील की गई।

इसी प्रकार अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्रीमति वंदना जाट द्वारा स्वगणना कर जिला कलेक्ट्रेट में स्थापित स्वगणना सेल्फ्री पॉइंट में सेल्फ्री लेकर समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों और जिले वासियों को स्वगणना की प्रेरक अपील की गई।

सस्टेनेबल कृषि व समन्वित कार्ययोजना पर दिया जोर

बैतूल (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में शनिवार को कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे की अध्यक्षता में जिले के कृषि उत्पादन (ए.पी.सी.) समूह की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि एवं संबद्ध विभागों के जिला व विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी, एफपीओ समूहों के प्रतिनिधि, कस्टम हार्बरिंग सेंटर के प्रतिनिधि तथा किसान संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत कृषि विभाग की समीक्षा से हुई, जिसमें उप संचालक कृषि द्वारा विभागीय योजनाओं एवं गतिविधियों की जानकारी पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत की गई। ग्रीष्मकालीन फसलों में उचित सिंचाई संसाधनों के उपयोग के निर्देश दिए गए

कृषि उत्पादन (ए.पी.सी.) समूह की बैठक सम्पन्न



तथा मृगफली और उड़द फसल का रकबा बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा की गई। कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने जिले में सस्टेनेबल कृषि को बढ़ावा देने के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसान मृदा स्वास्थ्य के अनुसार कृषि

के साथ उदािनिकी, मत्स्य पालन और पशुपालन को भी अपनाएँ, जिससे आय में वृद्धि के साथ मृदा की गुणवत्ता भी बेहतर बनी रहे। उन्होंने 'पर ड्रॉप मॉर क्राप' की थीम पर उत्पादकता बढ़ाने तथा संतुलित एवं जैविक खाद के उपयोग को प्रोत्साहित करने पर जोर

दिया। खरीफ फसलों की समीक्षा के दौरान वर्तमान परिस्थितियों में मक्का और सोयाबीन फसल के उत्पादन पर चर्चा की गई। वहीं सोयाबीन की उत्पादकता बढ़ाने के लिए मेहनाली एवं रेज्ड बेड पद्धति अपनाते तथा जुलाई के अंतिम सप्ताह से अगस्त मध्य तक कीट प्रबंधन करने की सलाह दी गई। उर्वरकों की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए कलेक्टर डॉ. ने जिले में भंडारण क्षमता एवं आपूर्ति व्यवस्था की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के आवश्यक निर्देश दिए। नरवाई जलाने की घटनाओं पर कर्म दंडात्मक कार्रवाई को लेकर उन्होंने नाराजगी जताई। बैठक में फसल बीमा की समीक्षा के दौरान 4 अप्रैल को हुई ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को बीमा राशि उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित बीमा कंपनी को दिए गए। कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने किसानों की आय

बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, एफपीओ एवं विधिन विभागों के बीच समन्वय एवं कन्वर्जेंस के माध्यम से नवाचार करने पर जोर दिया। समन्वित कृषि प्रणाली के क्लस्टर विकसित करने के निर्देश भी दिए गए। पशुपालन विभाग की समीक्षा में कृत्रिम गर्भाधान, पशु रोग नियंत्रण, दुग्ध उत्पादन एवं मिल्क रूट की जानकारी ली गई। साथ ही चारा विकास, प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए। क्षीरधारा ग्राम योजना अंतर्गत चयनित 37 आदर्श ग्रामों में विधिन गतिविधियों के संचालन पर भी जोर दिया गया। साइलेंट जूनिट की संभावनाओं का आकलन करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए। कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने सभी मैदानी अधिकारियों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार समन्वित कार्ययोजना बनाकर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जनगणना 2027 के तहत स्व-गणना पोर्टल पर किया ऑनलाइन पंजीकरण

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने कहा कि 16 अप्रैल से प्रदेश में जनगणना का शुभारंभ हो गया है। यह सिर्फ आंकड़ों की प्रक्रिया नहीं बल्कि हमारे देश के भविष्य को सही दिशा देने का महत्वपूर्ण कार्य है। जनगणना देश के विकास की नींव है। इस बार की जनगणना डिजिटल और आधुनिक तकनीक के साथ हो रही है। उन्होंने कहा कि जिले के नागरिकों को इसमें पूर्ण निष्ठा और सत्यता के साथ भाग लेना चाहिये। प्रदेश में 16 से 30 अप्रैल तक ऑनलाइन स्व-गणना का कार्य हो रहा है। एक से 30 मई तक मकान सूचीकरण होगा। यह प्रक्रिया डिजिटल रूप से होगी। कलेक्टर श्री बालागुरु के ने स्व-गणना पोर्टल पर स्वयं का प्रारंभिक पंजीकरण किया। कलेक्टर श्री बालागुरु के ने कहा कि यह जनगणना हमारी अगली पीढ़ी के उज्वल भविष्य के लिए है। प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि जनगणना में वह सही, सटीक और पूर्ण जानकारी दे।

“न्याय सेवा में उत्कृष्टता का नया अध्याय

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा को आईएसओ 9001: 2015 एवं 14001: 2015 प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ

हरदा (निप्र)। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अरविंद रघुवंशी के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा को अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कार्य करने तथा सेवा प्रदान करने के परिणामस्वरूप इंटरनेशनल स्टैंडर्ड्स ऑर्गनाइजेशन, नई दिल्ली के प्रतिनिधि श्री शिवांशु तिवारी द्वारा अध्यक्ष श्री रघुवंशी को आईएसओ प्रमाण पत्र क्रमांक 9001: 2015 एवं 14001: 2015 औपचारिक रूप से प्रदान किया गया।



कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष श्री रघुवंशी ने अपने उद्बोधन में व्यक्त किया कि आज शनिवार 18 अप्रैल को कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा में एक ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण अवसर का पल है। यह प्रमाणपत्र इस बात का प्रमाण है कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा द्वारा पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था, गुणवत्तापूर्ण विधिक सेवाएँ

प्रायंवरण संरक्षण के मानकों का पालन जनहितकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सफलतापूर्वक सुनिश्चित किया जा रहा है। न्यायाधीश व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदा श्री चंद्रशेखर राठौर ने कहा कि यह उपलब्धि प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा श्री रघुवंशी के कुशल मार्गदर्शन एवं सतत प्रयासों का परिणाम है। कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदा आईएसओ प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाला प्रदेश में चौथा प्राधिकरण बन गया है। उन्होंने कहा कि सुधार एक निरंतर प्रक्रिया

है जो आगे भी सतत रूप से जारी रहेगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समाज के अंतिम व्यक्ति तक विधिक सहायता पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम में आईएसओ के प्रतिनिधि श्री शिवांशु तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आईएसओ प्रमाण पत्र का मुख्य उद्देश्य कार्यालय द्वारा किए जाने वाले कार्यों को व्यक्ति उन्मुखी ना होकर सेवा उन्मुखी किया जाना है। उनके द्वारा आईएसओ प्रमाण पत्र प्राप्ति हेतु निर्धारित मापदण्डों की जानकारी देते हुए बताया गया कि कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदा द्वारा इन मापदण्डों को पूरा किया गया है, जिसके कारण उन्हें आईएसओ प्रमाण पत्र प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश श्री जयदीप सिंह, प्रधान न्यायाधीश कृदंत न्यायालय श्री सुधीर कुमार चौधरी, तृतीय जिला न्यायाधीश श्री निसार अहमद, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री लवकेश सिंह, जिला रजिस्ट्रार श्री एस.के. भद्रकारिया, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती चेतना रुसिया, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री प्रमोदप शाह, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री सौरभ कुमार दुबे, अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ श्री जगदीश विश्वकर्मा, सचिव जिला अधिवक्ता संघ हरदा श्री शैलेन्द्र जोशी, संघ के कार्यकारिणी सदस्यगण, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री जवाहर पारे, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री अनीस मोहम्मद खान, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्रीमती अंतिमा चोलकर, जिला प्राधिकरण के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों और शिक्षकों ने रखे जल संरक्षण पर अपने विचार

जल संरक्षण के प्रति जागरूकता के लिए विद्यार्थी ने निकाली रैली

जल संरक्षण के लिए निकाली गई जागरूकता रैली

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरु के. के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में अनेक जल संरक्षण गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में भैरूदा के शासकीय सांदीपनि स्कूल में प्रेरणादायक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में जल के महत्व, संरक्षण और भविष्य के लिए इसकी आवश्यकता पर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर सभी ने जल एवं जल स्रोतों के संरक्षण का संकल्प भी लिया।

एफटीके किट से पेयजल परीक्षण का दिया प्रशिक्षण

अभियान के अंतर्गत पीएचई विभाग द्वारा ग्राम भील खेड़ी सड़क

सीहोर के पीएम एक्सिलेंस कॉलेज एवं शासकीय कन्या महाविद्यालय में अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण के प्रति नागरिकों को जागरूक करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर निबंध, भाषण और वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और विद्यार्थियों द्वारा जागरूकता रैली भी निकाली गई।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और आशा कार्यकर्ता को एफटीके किट के माध्यम से पेयजल परीक्षण का प्रशिक्षण दिया गया तथा पंप ऑपरेटर्स को वॉल्व वाइस योजना संचालन का प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही पेयजल स्रोतों के आस पास साफ सफाई बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

जन आक्रोश महिला पदयात्रा में भोपाल की सड़कों पर उतरीं मंत्री-सांसद और बीजेपी कार्यकर्ता

महिला आरक्षण बिल गिरने के विरोध में पद यात्रा, नारी अपना अपमान कभी नहीं भूलती : सीएम यादव

भोपाल (नप्र)। महिला आरक्षण बिल पास नहीं होने पर बीजेपी अब आक्रामक हो गई है। भोपाल में सीएम मोहन यादव के नेतृत्व में महिलाओं ने जन आक्रोश महिला पद यात्रा निकाली है। इस दौरान सीएम मोहन यादव ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण बिल न पास होने पर कांग्रेस ने उसका मजाक उड़ाया। कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी को शर्म आनी चाहिए।

लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन बिल पास नहीं हो पाने के विरोध में मध्य प्रदेश बीजेपी ने सोमवार को जन आक्रोश महिला पद यात्रा निकाली। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल समेत मंत्री- सांसद और बीजेपी महिला मोर्चा की नेता-कार्यकर्ता शामिल हुईं। पद यात्रा भोपाल के एमवीएम कॉलेज ग्राउंड से लोक भवन होते हुए रोशनपुरा चौराहे पहुंची। यहाँ मुख्यमंत्री ने काले गुब्बारे उड़ाकर इसका समापन किया।

इससे पहले हुई सभा में मुख्यमंत्री यादव ने कहा- नारी सब भूल सकती है लेकिन अपना अपमान कभी नहीं भूलती। कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने महिलाओं के अधिकार का बिल गिरने पर खुशियां मनाईं। जन मनवाया। हम बहनों के अधिकार को कुचलने के खिलाफ विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर निंदा प्रस्ताव पारित करेंगे।

प्रियंका गांधी पर बरसे सीएम

मोहन यादव ने कहा कि प्रियंका गांधी बड़ी-बड़ी बातें करती थीं, कहती थीं मैं लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ। अब उनकी ये बड़ी-बड़ी बातें कहाँ गईं, जब बहनों के



अधिकार का उन्होंने गला घोट दिया। कांग्रेस ने आजादी के समय शुरू की अपनी परंपरा को निभाया। प्रियंका-राहुल के पिता ने भी तीन तलाक के कानून को लेकर बहनों के अधिकार पर डाका डाला था। उन्होंने कहा कि इस आक्रोश को देश के सामने लाना है।

ये आपके हक की आग

इसके साथ ही सीएम मोहन यादव ने कहा कि ये जो आपके अंदर की आग है, अपने हक की आग है, इसे बुझने नहीं देना है। कांग्रेस और उसके साथी विपक्षी दलों ने बहनों के हक पर डाका डाला है। वे अपने मंसूबों में कभी कामयाब नहीं हो सकते। भारत में बहनों के हक के लिए भाइयों ने संघर्ष लड़ाईयां लड़ीं। राजा राम मोहन राय ने सती प्रथा के खिलाफ लड़ाई शुरू की। ज्योतिबा फुले ने नारी समानता के लिए लड़ाई लड़ी। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने बहनों को अधिकार दिलाने के लिए लड़ाई शुरू की। महात्मा गांधी



यह आक्रोश हर समाज में दिखना चाहिए : हेमंत

विपक्ष ने भारत के सपने को तोड़ दिया। यह आक्रोश घर-घर तक जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं बहनों से आह्वान करता हूँ कि यह आक्रोश हर समाज में दिखना चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने यह भी कहा कि जन आक्रोश और विरोध हर क्षेत्र और हर मोहल्ले में हो। महिला आरक्षण के विरोधी बेनकाब हो। गौरतलब है कि सीएम मोहन यादव के नेतृत्व में हजारों की संख्या में महिलाएं आज भोपाल की सड़कों पर उतरी थीं। सीएम ने साफ कहा है कि यह आंदोलन थमने वाला नहीं है। आगे भी यह लड़ाई जारी रहेगी।

से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं के हक में आवाज उठाई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि नारी सब भूल जाती है, कभी अपना अपमान नहीं भूलती। यह हमको याद रखना है।

सरकार बहनों के निर्णय के साथ

उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी ने चाहा था कि सब दल मिलकर इसका समर्थन करें,

लेकिन ऐसा हुआ नहीं। देश की आधी आबादी की इच्छा का गला घोटने वालों आपको कब्र से निकालकर सजा दी जाएगी। आपने बहनों के साथ अन्याय किया है। आपको ये बहनों माफ नहीं करेंगी। सीएम मोहन यादव ने कहा कि आज मन में इस बात का आक्रोश है कि हमारे बहनों के लिए जो अवसर मिला था, उसे विपक्ष ने कुचल दिया। हमारी परंपरा तो मातृ सत्ता की रही है। जब

तक हम सीता नहीं बोलते, तब तक भगवान राम भी आशीर्वाद नहीं देते। जब तक राधा को याद नहीं करो, तब तक कन्हैया भी मुस्कुराते नहीं हैं। उनका आशीर्वाद नहीं मिलता है। बिना माता के महदेव का आशीर्वाद कैसे मिल सकता है।

विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर करेंगे निंदा

सीएम मोहन यादव ने कहा कि आज भोपाल से पदयात्रा निकल रही है। इस आक्रोश को पूरे देश के सामने लाना है। बहनों ने अक्षय तृतीया पर यहाँ आकर लोकतांत्रिक मार्ग को अपनाया है। इस बात के लिए मैं बहनों का वंदन करता हूँ। हमारी सरकार बहनों के निर्णय के साथ खड़ी है। हर जगह निंदा प्रस्ताव पारित करेंगे। विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर निंदा करेंगे।

एमपी की 23634 पंचायत और 444 तहसीलों में लगेंगे विंड सिस्टम

हर 15 मिनट में मौसम और बारिश की जानकारी सरकार को मिलेगी



भोपाल (नप्र)। एमपी में अब खेती-किसानी और प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी पूरी तरह डिजिटल होने जा रही है। प्रदेश सरकार ने राज्य की सभी 23,634 ग्राम पंचायतों में ऑटोमैटिक रेन गेज और सभी 444 तहसीलों में ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन स्थापित करने की बड़ी योजना शुरू की है।

इस काम के लिए कृषि विभाग ने निविदा जारी कर कार्यान्वयन भागीदारों से आवेदन मांगे हैं। इस सिस्टम की सबसे बड़ी विशेषता यह होगी कि अब मौसम और बारिश का सटीक डेटा हर 15 मिनट में सीधे सरकार के पोर्टल पर अपडेट होगा, जिससे सूखे और अतिवृष्टि जैसी स्थितियों की रियल-टाइम रिपोर्टिंग संभव हो सकेगी।

परियोजना की लागत और बजट

इस महत्वाकांक्षी परियोजना को केंद्र और राज्य सरकार के साझा सहयोग से जमीन पर उतारा जा रहा है। सरकारी अंकड़ों के अनुसार, एक ऑटोमैटिक रेन गेज की स्थापना पर लगभग 35,000 से 40,000 और तहसील स्तर के वेदर स्टेशन पर 1.5 लाख से 2 लाख तक का खर्च आने का अनुमान है।

प्रदेश की 24,000 से अधिक लोकेशन को कवर करने के लिए इस पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 100 करोड़ से 120 करोड़ का निवेश किया जाएगा। भारत सरकार इस कुल लागत का 50 प्रतिशत हिस्सा वार्यबिलिटी गैप फंडिंग के रूप में प्रदान करेगी, जबकि बाकी की राशि राज्य सरकार और चयनित एजेंसियां वहन करेंगी।

इसकी जरूरत क्यों पड़ी?

वर्तमान में मौसम की जानकारी केवल जिला या ब्लॉक स्तर पर उपलब्ध होती है, जो स्थानीय स्तर पर होने वाली प्राकृतिक घटनाओं का सटीक आकलन करने के लिए पर्याप्त नहीं है। अक्सर देखा गया है कि एक ही तहसील के भीतर किसी एक गांव में भारी बारिश (अतिवृष्टि) होती है, जबकि दूसरे गांव में सूखा रहता है।

डेटा के इस अभाव के कारण प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों के नुकसान का सही आकलन नहीं हो पाता था और दावों के निपटान में देरी होती थी। अब हर पंचायत में यंत्र लगने से यह समस्या पूरी तरह खत्म हो जाएगी और किसानों को उनके वास्तविक नुकसान का मुआवजा मिल सकेगा।

यह कैसे काम करेगा?

यह पूरा सिस्टम पूरी तरह से ऑटोमैटिक और सौर ऊर्जा से संचालित होगा। पंचायतों में लगे रेन गेज और तहसीलों में लगे वेदर स्टेशन में आधुनिक सेंसर और सिम कार्ड आधारित टेलीमेट्री सिस्टम लगा होगा।

ये उपकरण हर 15 मिनट के अंतराल पर बारिश की मात्रा, हवा की गति, तापमान और नमी जैसे मानकों को रिकॉर्ड करेंगे और वायरलेस तकनीक के जरिए सीधे विंडस के केंद्रीय सर्वर को डेटा भेज देंगे। इस प्रक्रिया में किसी मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे डेटा की शुद्धता और पारदर्शिता बनी रहेगी।

भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस की जनरेटर कार में धुआं

20 मिनट तक अनदेखी, फिर धुएं से घिरा स्टेशन, यात्रियों को सांस लेने में हुई दिक्कत

भोपाल (नप्र)। भोपाल रेलवे स्टेशन पर सोमवार दोपहर करीब 3:30 बजे उस समय हड़कंप मच गया, जब भोपाल से जोधपुर जाने वाली भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस की जनरेटर कार से अचानक धुआं उठने लगा। घटना प्लेटफॉर्म नंबर-6 पर हुई, लेकिन धुएं का असर इतना ज्यादा था कि प्लेटफॉर्म नंबर-1 तक इसका गुबार पहुंच गया। इससे अन्य प्लेटफॉर्म पर बैठे यात्रियों को भी सांस लेने में दिक्कत का सामना करना पड़ा।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जनरेटर कार से अचानक तेज धुआं और हल्की आग की लपटें दिखाई दीं। देखते ही देखते पूरा स्टेशन धुआं-धुआं हो गया। हालांकि रेलवे स्टाफ और इंजीनियरिंग टीम ने तुरंत मौक पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित कर लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

शॉर्ट सर्किट की आशंका, जनरेटर कार में हादसा

भोपाल रेल मंडल के प्रवक्ता नवल अग्रवाल ने बताया कि ट्रेन को प्लेटफॉर्म पर शिफ्ट करने के दौरान पावर ऑन किया गया था, तभी जनरेटर कार में शॉर्ट सर्किट की वजह से धुआं निकलने लगा। प्रारंभिक जांच में तार जलने की बात सामने आई है। फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और इंजीनियरों की टीम जांच में जुटी हुई है।



यात्री नहीं थे मौजूद राहत की बात यह रही कि घटना के समय ट्रेन प्लेटफॉर्म पर पूरी तरह लगी नहीं थी और उसमें यात्री मौजूद नहीं थे। यह ट्रेन शाम 4:50 बजे भोपाल से रवाना होती है। अधिकारियों के मुताबिक, वैकल्पिक व्यवस्था कर ट्रेन को समय पर रवाना करने

यात्री नहीं थे मौजूद

राहत की बात यह रही कि घटना के समय ट्रेन प्लेटफॉर्म पर पूरी तरह लगी नहीं थी और उसमें यात्री मौजूद नहीं थे। यह ट्रेन शाम 4:50 बजे भोपाल से रवाना होती है। अधिकारियों के मुताबिक, वैकल्पिक व्यवस्था कर ट्रेन को समय पर रवाना करने

की कोशिश की जा रही है।

करीब 20 मिनट बाद चला

पता, तब तक फैल चुका था धुआं

अधिकारियों की बातचीत में यह भी सामने आया कि शुरुआती कुछ मिनटों तक किसी को स्पष्ट रूप से आग या धुएं का अंदाजा नहीं हुआ। जनरेटर कार के अंदर तकनीकी गड़बड़ी धीरे-धीरे बढ़ती रही, लेकिन करीब 15-20 मिनट बाद जब धुआं तेजी से पूरे प्लेटफॉर्म और आसपास

के क्षेत्र में फैल गया, तब कर्मचारियों और मौजूद लोगों को स्थिति की गंभीरता का एहसास हुआ। इसके बाद तुरंत फायर बूस्टर की मदद से आग पर काबू पाया गया।

अन्य प्लेटफॉर्म पर भी असर, यात्रियों को हुई परेशानी

घटना के दौरान स्टेशन परिसर में धुएं का गुबार फैल गया, जिससे अन्य प्लेटफॉर्म पर बैठे यात्रियों को भी परेशानी हुई। कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया, हालांकि स्थिति जल्द सामान्य कर ली गई।

फायर बूस्टर से बुझाई गई आग, बदला जाएगा इंजन

अधिकारियों के मुताबिक, आग को फायर बूस्टर की मदद से तुरंत काबू में कर लिया गया। इसके बाद एहतियातन जनरेटर कार को अलग कर दिया गया और वैकल्पिक इंजन व पावर कार की व्यवस्था की जा रही है। बातचीत में यह भी सामने आया कि इंजन बदला जाएगा और तकनीकी जांच के बाद ही ट्रेन को आगे रवाना किया जाएगा।

2 घंटे तड़पती रही प्रसूता, इंजेक्शन से मौत

सागर (नप्र)। सागर के बुदेलखंड मेडिकल कॉलेज (बीएमसी) में सोमवार सुबह 30 वर्षीय प्रसूता की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही बरतने और स्टाफ द्वारा गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को समझादेश देकर शांत करा दिया है, वहीं परिजन मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं, जबकि अस्पताल प्रबंधन की ओर से अब तक कोई जवाब सामने नहीं आया है।

मौत की खबर मिलते ही परिवार के लोग अस्पताल में जमा हो गए और प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा शुरू कर दिया। मृतका के परिजनों ने आरोप



लगाते हुए कहा, सध्या का अस्पताल में भर्ता किया था। वह 2 घंटे तक तड़पती रही, लेकिन किसी ने इलाज नहीं किया।

रविवार रात अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। मौजूद अस्पताल स्टाफ ने एक इंजेक्शन लगाया, जिसके बाद तबीयत और बिगड़ गई। इसी दौरान सध्या की मौत हो गई।

हंगामा कर रहे परिजनों ने यह भी आरोप लगाया है कि प्रसूता की मौत के बाद से बीएमसी प्रबंधन ने अब तक उन्हें मृत सध्या का चेहरा नहीं देखने दिया है। परिजनों ने पुलिस और प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दणियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। अस्पताल में हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझादेश देकर शांत कराया। इस पूरे मामले को लेकर बीएमसी प्रबंधन की तरफ से अब तक कोई आधिकारिक पक्ष सामने नहीं आया है।

विभाग से साहब की बेरुखी

कांग्रेस के 'रुद्राक्ष' नेता

मध्य प्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता पार्टी में रुद्राक्ष के लिए जाने जाते हैं। वरिष्ठ नेता एक महत्वपूर्ण विभाग की जिम्मेदारी तो संभाल ही रहे हैं वहीं उन्होंने इन दिनों 'पंडित प्रदीप मिश्रा' वाली कार्यशाला भी अपना ली है और वह उनसे मिलने वाले पार्टी नेताओं को रुद्राक्ष के लाभ-हानि भी बताते हैं। वरिष्ठ नेता की योग्यता से वैसे तो पूरी पार्टी लाभाभावित है लेकिन रुद्राक्ष का प्रसाद अभी कुछ ही पदाधिकारियों को मिल रहा है। वरिष्ठ नेता के यहाँ रुद्राक्ष का बड़ा पेड़ लगा है, जो चर्चा का विषय है। पिछले दिनों एक कांग्रेस के पदाधिकारी को वरिष्ठ नेता ने रुद्राक्ष भेंट किया और यहाँ तक कहा कि अब तुम्हारे सितारे बुलंद हो रहे हैं। पदाधिकारी ने भी वरिष्ठ नेता के आशीर्चन को शिरोधार्य किया। बता दें कांग्रेस के इन वरिष्ठ नेता के पास भाजपा की राज्य सरकार को मॉडिया के माध्यम से घेरेने की जिम्मेदारी है। वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री भी रह चुके हैं।



मोहन का मंत्रालय आशीष चौधरी

आने का एसीएस को भरोसा नहीं हो रहा था। भरोसा भी कैसे होता जब पूर्ववर्ती विभाग के एक प्रोजेक्ट की दिल्ली से निगरानी हो रही हो और एसीएस प्रोजेक्ट से शुरू से जुड़े हों। ऐसी दशा में तबादला समझ से परे हैं। अब बताया जा रहा है कि विभाग से साहब का मन भर गया है, ऐसे में उनकी ये बेरुखी कहीं महकमे से विदाई की वजह बन जाए, तो कोई आश्चर्य नहीं होगा।

54 बाघों की मौत से हिला सिस्टम

अब रिजर्व के बाहर भी मिलेगा स्पेशल

प्रोटेक्शन, आरपी सुरक्षा नीति

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में बाघों की लगातार हो रही मौतों ने वन्यजीव प्रेमियों और सरकार को नौद उड़ा दी है। साल 2025 में रिकॉर्ड 54 बाघों की मौत के मामले में नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में एक विस्तृत हलफनामा दाखिल किया है। इसमें बाघों को बचाने के लिए एक नई और हाईटेक सुरक्षा नीति का खुलासा किया गया है, जो अब रिजर्व की सीमाओं से बाहर भी लागू होगी।

एनटीसीए ने कोर्ट को बताया कि अब केवल टाइगर रिजर्व ही नहीं, बल्कि उनसे सटे जंगलों, गलियारों और क्षेत्रीय डिवीजनों में भी वही सुरक्षा मिलेगी जो रिजर्व के अंदर उपलब्ध होती है। इसके लिए टाइगर आउटसाइड टाइगर रिजर्व योजना शुरू की गई है। सबसे अहम बात यह है कि साल 2025-26 के पहले चरण के लिए मध्य प्रदेश के 8 फॉरेस्ट डिविजन को चुना गया है।



एआई और आधुनिक हथियारों से होगी घेराबंदी

बाघों के अंगों की तस्करी और शिकार रोकने के लिए अब पुराने तरीके नहीं चलेंगे। एनटीसीए ने राज्य को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम और वायरलेस संचार को मजबूत करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही, इंटेलिजेंस गैरिडर, स्ट्राइक फोर्स की तैनाती और अपराध का पता लगाने के लिए आधुनिक हथियारों के उपयोग पर जोर दिया गया है।

इन्वायलेट रहेगा कोर एरिया

हाईकोर्ट में दायर हलफनामे में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 38 - (4) (आई) का हवाला देते हुए स्पष्ट किया गया कि नेशनल पार्क और अभयारण्यों के कोर क्षेत्रों को इन्वायलेट रखा जाना अनिवार्य है। यानी बाघों के संरक्षण के लिए इन क्षेत्रों में मानवीय हस्तक्षेप पूरी तरह वर्जित रहेगा। नंदकिशोर शाले, सहायक महानिरीक्षक (वन) ने कहा प्रोजेक्ट टाइगर के तहत हम अब उन इलाकों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जहाँ बाघ रिजर्व से बाहर निकलकर जा रहे हैं। इन कारिडोर क्षेत्रों में सुरक्षा को अभेद्य बनाना और एआई का उपयोग करना हमारी प्राथमिकता है।

ईरान युद्ध का असर

भोपाल में हुई शादियां... लकड़ी की भट्टियों पर बना भोजन



भोपाल (नप्र)। राठौर संघ भोपाल द्वारा 20 अप्रैल 2026 को पंडित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेदिक चिकित्सा संस्थान परिसर, दशरथा मेदान, कलियासोत डेम, नेहरू नगर में सामूहिक विवाह एवं परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज के कई जोड़े वैदिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह बंधन में बंधे, जबकि करीब 250 युवक-युवतियों ने परिचय सम्मेलन में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8 बजे दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना के साथ हुई। इसके बाद सुबह 9 से 12 बजे तक परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया। परिचय सत्र के बाद सामूहिक विवाह संस्कार संपन्न हुआ, जिसमें नवदंपतियों को आशीर्वाद दिया गया और विदाई समारोह भी आयोजित किया गया। ईरान युद्ध के बाद घरेलू गैस, पेट्रोल और डीजल की स्थिति को देखते हुए आयोजन समिति ने लकड़ी की भट्टियों पर भोजन बनाने का निर्णय लिया। सम्मेलन में बनने वाला अधिकांश भोजन लकड़ी की आग पर तैयार किया गया, जिससे आयोजन बिना किसी बाधा के पूरा हो सका। भोजन व्यवस्था के लिए पारंपरिक चूल्हों और लकड़ी की भट्टियों का उपयोग किया गया। इससे एक ओर जहाँ गैस पर निर्भरता कम हुई, वहीं आयोजन में पारंपरिक पद्धति की झलक भी देखने को मिली। सम्मेलन को पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए प्लास्टिक पर पूरी तरह प्रतिबंध रखा गया।

सत्ता के लिए संकल्प !

पिछले दो दशक से मध्य प्रदेश में सत्ता से बाहर कांग्रेस के नेता किसी भी तरह अब प्रदेश में अपनी सरकार बनाने के लिए संकल्पित है। इसके लिए उन्होंने न केवल अपने कार्यकर्ताओं को चार्ज करना शुरू कर दिया है, बल्कि वह अब ऐसे-ऐसे संकल्प भी ले रहे हैं जो कांग्रेस की पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की याद दिलाती है। पिछले दिनों कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों के सम्मेलन में यहाँ तक कहा कि उन्हें न मुख्यमंत्री बनना है, ना मंत्री, बल्कि वह प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए दिन-रात लगे हैं और इसके लिए उनकी खून की आखिरी बूँद भी लगा जाए तो वह इसके लिए तैयार हैं। पटवारी का यह संकल्प कम पूरा होगा यह तो वक्त ही तय करेगा।

कलेक्टर साहब का मिशन पूरा

प्रदेश के महाकौशल क्षेत्र में पदस्थ एक कलेक्टर साहब का मिशन पूरा हो गया है। ऐसा उनका कहना अपने समर्थकों के बीच है। समर्थक बताते हैं कि कलेक्टर ने जिले में एक बड़ी धार्मिक जिम्मेदारी को बखूबी निभाया और अब उनकी जिले में कलेक्ट्री करने की इच्छा नहीं है। सुर्जों का कहना है कि कलेक्टर के निवेदन पर पिछले दिनों मुख्यमंत्री भी जिले का दौरा कर एक बड़े धार्मिक स्थल के कई बड़े कार्यों का न केवल शुभारंभ किया बल्कि शिलान्यास भी कर दिया। इसके बाद कलेक्टर साहब अब कहने लगे हैं कि महाकाल के बाद उनकी यह मनोकामना भी पूरी हो गई। बता दें कि उक्त कलेक्टर साहब एक केंद्रीय मंत्री के खस हैं।